▪ फाल्गुन कृष्णा - 12 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 12 ▪ अंक - 209 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 24-02-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 परिवारवाद से देश का भला नहीं हो सकता : केशव प्रसाद मौर्य

6 भारतीय चुनाव में विदेशी भूमिका का सच

7 आध्यात्मिक हैं राजा कुमारी, बताया 16 सोमवार का रखती हैं व्रत

फर्स्ट टेक

स्वच्छ भारत मिशन ने दुनिया को स्वच्छता के प्रति एक नई प्रेरणा दी : योगी आदित्यनाथ

महाकुंभ नगर/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि स्वच्छ भारत मिशन ने दुनिया को स्वच्छता के प्रति एक नई प्रेरणा दी है। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, महाराष्ट्र के समाज सुधारक संत गाडगे महाराज की 149वीं जयंती के अवसर पर यहां सेक्टर 1 के गंगा पंडाल में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, गाडगे जी महाराज ने अपने अनुयायियों और भक्तों के बीच कीर्तन करने, अंधविश्वास को किसी भी तरह से रोकने और रूढ़ीवाद एवं जातिवाद पर प्रहार करने के साथ ही स्वच्छता को लेकर व्यापक जनजागरण किया। उन्होंने कहा कि जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2014 में स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत की थी, तो लोगों को लगता था कि इससे क्या होगा, लेकिन स्वच्छ भारत मिशन पूरे भारत का मिशन बन गया है और पूरी दुनिया भारत की स्वच्छता को देखकर अभिभूत है।

अवैध रूप से घुसने पर छह बांग्लादेशियों को किया गिरफ्तार

शिलांग/भाषा। मेघालय में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने छह बांग्लादेशियों को पकड़ा है, जिनमें से कुछ पहले मुंबई में राजमिस्त्री का काम करते थे। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि इन सभी छह लोगों को शनिवार को तब पकड़ा गया जब वे रोजगार की तलाश में फिर मुंबई जाने के लिए बांग्लादेश से मेघालय पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए बीएसएफ कर्मियों ने समन्वित अभियान चलाकर छह बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा, उनमें से चार पश्चिमी जैंतिया हिल्स जिले में और दो दक्षिणी गारो हिल्स जिले में पकड़े गये।

कोहली वनडे क्रिकेट में सबसे तेजी से 14000 रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बने

दुबई/भाषा। भारतीय सुपरस्टार विराट कोहली ने रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ चैम्पियंस ट्रॉफी मुकाबले के दौरान इतिहास रच दिया और वह सचिन तेंदुलकर के पिछले रिकॉर्ड को तोड़कर वनडे क्रिकेट में सबसे तेजी से 14000 रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बन गए। कोहली अब एक दिवसीय क्रिकेट में 14000 से अधिक रन बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज हैं। भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर (18246) और श्रीलंका के कुमार संगकारा (4234) उनसे आगे हैं।

गुलाम मानसिकता वाले लोग विदेशी समर्थन से भारत की धार्मिक मान्यताओं का मजाक उड़ाते हैं : नरेन्द्र मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

छतरपुर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महाकुंभ पर आलोचनात्मक टिप्पणियों को लेकर नेताओं के एक वर्ग को रविवार को आड़े हाथों लिया और कहा कि गुलाम मानसिकता वाले लोग विदेशी ताकतों के समर्थन से देश की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं पर हमला करते रहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने मध्यप्रदेश के छतरपुर में बागेश्वर धाम चिकित्सा एवं विज्ञान अनुसंधान केंद्र और कैंसर अस्पताल की आधारशिला रखने के बाद लोगों को संबोधित करते हुए प्रयागराज में जारी महाकुंभ को एकता का ''महाकुंभ'' करार दिया। मोदी ने प्रयागराज में 144 वर्षों के बाद हो रहे महाकुंभ के धार्मिक महत्व को रेखांकित किया। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में जारी महाकुंभ एक दुर्लभ खगोलीय संयोग के चलते 144 साल बाद हो रहा है।

बागेश्वर धाम भगवान हनुमान से जुड़ा मध्यप्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र में एक प्रमुख धार्मिक स्थल है, जहां हजारों लोग आते हैं। मोदी ने कहा, ''नेताओं का एक वर्ग, धर्म का मखौल उड़ाता है, उपहास उड़ाता है।

लोगों को तोड़ने में जुटा है और बहुत बार विदेशी ताकतें भी इन लोगों का साथ देकर देश और धर्म को कमजोर करने की कोशिश करती दिखती हैं।'' उन्होंने कहा, हिन्दू आस्था से नफरत करने वाले ये लोग सदियों से किसी न किसी वेश में रहते रहे हैं। गुलामी की मानसिकता से घिरे ये लोग हमारे मठ, मंदिरों पर हमारे संत, संस्कृति व सिद्धांतों पर हमला करते रहते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''ये लोग हमारे पर्व, परम्पराओं और प्रथाओं को गाली देते हैं। जो धर्म, जो संस्कृति स्वभाव से ही प्रगतिशील है, उस पर कीचड़ उछालने की ये हिम्मत दिखाते हैं। हमारे समाज को बांटना, उसकी एकता को तोड़ना ही इनका एजेंडा हैं।'' मोदी की यह टिप्पणी पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा कुप्रबंधन और भगदड़ की घटनाओं का हवाला देते हुए महाकुंभ को 'मृत्यु कुंभ' करार दिए जाने के बाद उठे विवाद के बीच आई है। ममता ने अधिकारियों पर मृतकों की संख्या दबाने का भी आरोप लगाया था।

महाकुंभ को सफल आयोजन बनाने में 'स्वच्छता कर्मियों' और पुलिस कर्मियों की भूमिका की प्रशंसा करते हुए, मोदी ने कहा कि इस एकता के महाकुंभ में हजारों डॉक्टर और स्वयंसेवक स्वेच्छा से समर्पण और सेवा की भावना से लगे हुए हैं। उन्होंने कहा, यह एकता का महाकुंभ है जहां हजारों डॉक्टर और स्वयंसेवक समर्पण और सेवा की भावना के साथ काम कर रहे हैं।

एकता के महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालु इन प्रयासों की सराहना कर रहे हैं। मोदी ने महाकुंभ में नेत्र रोग विशेषज्ञों द्वारा जरूरतमंद लोगों को प्रदान की गई सेवाओं की भी प्रशंसा की। कैंसर जैसी घातक बीमारी से लड़ने में अपनी सरकार द्वारा किए गए प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए मोदी ने कहा कि अगले तीन वर्षों में देश के सभी जिलों में 'कैंसर डे-केयर सेंटर' खोले जाएंगे।

उन्होंने कैंसर से लड़ने के लिए बजट में किए गए प्रावधानों और कैंसर की दवाओं को सस्ता करने के निर्णय का भी जिक्र किया। श्री बागेश्वर आयुर्विज्ञान एवं शोध संस्थान के तहत स्थापित होने वाला कैंसर अस्पताल बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर संत धीरेंद्र शास्त्री की योजना है। मोदी ने कहा कि पहले चरण में 218 करोड़ रुपये की लागत से 10 एकड़ क्षेत्र में 100 बिस्तरों वाला कैंसर अस्पताल अगले दो वर्षों में बनाया जायेगा।

सभी समूहों के बीच मैत्री को बढ़ावा दें : भागवत

प्रत्येक भारतीय को भोजन, आवास, यात्रा और यहां तक कि अपनी अभिव्यक्ति के अनुरूप भाषा का प्रयोग करना चाहिए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को संगठन के सभी स्वयंसेवकों से जाति, पंथ, क्षेत्र और भाषा से परे विभिन्न समूहों के बीच मैत्री बढ़ाने की अपील की। यहां एक बौद्धिक कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए भागवत ने कहा कि स्वयंसेवक समाज के कल्याण के लिए उत्प्रेरक का काम करते हैं। संघ ने एक बयान में कहा, भागवत ने स्वयंसेवकों से आग्रह किया कि वे समाज के विभिन्न वर्गों के बीच मैत्री को बढ़ावा दें, चाहे उनकी जाति, पंथ, क्षेत्र या भाषा कुछ भी हो।

संगठन के सरसंघचालक भागवत ने यह भी कहा कि सभी हिंदुओं को आपसी सम्मान और सहयोग की भावना से विभिन्न उपयोगों के लिए समान मंदिर, श्मशान और जल का इस्तेमाल करना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि समाज में विभिन्न जातीय समूहों के बीच सतत सांप्रदायिक सद्भाव और रिश्तेदारों एवं कुलों के बीच सद्भावना ही राष्ट्र को सकारात्मक दिशा तथा परिणाम की ओर ले जाएगी। बयान में यह भी कहा गया कि भागवत ने इस बात पर जोर दिया कि पूरे समाज को पर्यावरण की रक्षा के लिए जल संरक्षण, पौधे लगाने और प्लास्टिक के बर्तनों का उपयोग न करने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

उन्होंने कहा, प्रत्येक भारतीय को भोजन, आवास, यात्रा और यहां तक कि अपनी अभिव्यक्ति के अनुरूप भाषा का प्रयोग करना चाहिए। सभी को अपने दैनिक कार्यों में विदेशी भाषाओं का उपयोग करने के बजाय मातृभाषा में बातचीत करनी चाहिए। संघ प्रमुख ने दोहराया कि नागरिकों को पारंपरिक सामाजिक मानदंडों का पालन करना चाहिए, भले ही कानूनी दृष्टिकोण से ऐसे सभी नियमों को कानून नहीं कहा जा सकता है।

भागवत शुक्रवार को छह दिवसीय दौरे पर गुवाहाटी पहुंचे, जहां वह सदस्यों से बातचीत करेंगे और संगठन को और मजबूत बनाने पर विचार-विमर्श करेंगे। यह यात्रा देश के विभिन्न क्षेत्रों के उनके दौरे का हिस्सा है, जो संगठन के शताब्दी वर्ष के अवसर पर हो रही है।

विराट के बल्ले ने एक बार फिर लिखी पाकिस्तान पर यादगार जीत की दास्तान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई।आईसीसी टूर्नामेंटों में पाकिस्तान पर कहर साबित होने वाले विराट कोहली ने एक बार फिर इतिहास को दोहराते हुए नाबाद शतक के साथ रविवार को इस बहुचर्चित मुकाबले में भारत को छह विकेट से जीत दिलाकर चैम्पियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में पहुंचा दिया। भारत की जीत तो दीवार पर लिखी इबारत की तरह साफ हो गई थी लेकिन कशमकश यह थी कि कोहली का शतक बनेगा या नहीं। और फिर आधुनिक क्रिकेट के इस महानायक ने न सिर्फ चौके के साथ 51वां वनडे शतक पूरा किया बल्कि फॉर्म में लौटकर विरोधी टीमों के लिये खतरे की घंटी बजा दी।

जीत के लिये 242 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत को 42वें ओवर के बाद चार रन की जरूरत थी। खुशदिल शाह के ओवर में विराट ने पहली गेंद पर एक रन लिया और फिर अक्षर पटेल ने दूसरी गेंद पर एक रन लिया। अब भारत को जीत के लिये दो रन और विराट को शतक के लिये चार रन चाहिये थे। तीसरी गेंद पर एक्स्ट्रा कवर में चौका जड़ने के साथ कोहली के चेहरे पर इत्मीनान की मुस्कान आई।

24-02-2025	25-02-2025
सूर्यास्त 6:6 बजे	सूर्योदय 6:29 बजे

BSE	NSE
75,311.06	22,795.90
(-424.90)	(-117.25)

सोना	चांदी
9,037 रु.	108,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	(24 कैरेट) प्रति ग्राम

बचाव दल 'टनल बोरिंग मशीन' की जगह पर पहुंचा : तेलंगाना सुरंग हादसे पर अधिकारी ने बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागरकुरनूल/भाषा। तेलंगाना में शनिवार को श्रीशैलम सुरंग नहर परियोजना के निर्माणाधीन खंड की छत का एक हिस्सा ढह जाने से करीब 14 किलोमीटर अंदर जिस जगह आठ लोग फंस गए थे, बचाव दल के कर्मी उसके नजदीक पहुंच गये हैं। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। नागरकुरनूल के जिला कलेक्टर बी. संतोष ने रविवार को बताया कि आगे बढ़ते हुए बचाव दल के कर्मी उस स्थान पर पहुंच गये जहां घटना के दौरान सुरंग खोदने वाली मशीन (टीबीएम) काम कर रही थी। उन्होंने कहा कि हालांकि, गाद के कारण आगे बढ़ना एक चुनौती है।

बचाव अभियान की निगरानी कर रहे कलेक्टर ने कहा कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की चार टीमें - एक हैदराबाद से और तीन विजयवाड़ा से - जिनमें 138 सदस्य हैं, सेना के 24 कर्मी, एसडीआरएफ के कर्मी, एससीसीएल के 23 सदस्य उपकरणों के साथ बचाव अभियान में लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि सुरंग में ऑक्सीजन और बिजली की आपूर्ति उपलब्ध करा दी गई है तथा जल निकासी और गाद निकालने का कार्य भी चल रहा है।

संतोष ने कहा, ''अभी तक हमारा उनसे (फंसे हुए लोगों से) संपर्क नहीं हो पाया है। बचावकर्मी अंदर जाकर देखेंगे और फिर हम कुछ बता पाएंगे।'' एनडीआरएफ के एक अधिकारी ने एक टीवी चैनल को बताया कि कल रात एक टीम सुरंग के अंदर गई थी। वहां बहुत सारा मलबा है और टीबीएम भी क्षतिग्रस्त है और उसके हिस्से अंदर बिखरे पड़े हैं।

उन्होंने कहा, ''13.5 किलोमीटर के बिंदु से ठीक पहले दो किलोमीटर पर जलभराव है। यह एक चुनौतीपूर्ण कार्य है और इस कारण हमारे भारी उपकरण अंतिम बिंदु तक नहीं पहुंच पा रहे हैं।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

मिमियाया पाक

बौने हो गए विराट सम्मुख,
घुटने टेके पाकिस्तानी।
मिमियाने लगे मीडिया में,
बातें कर-कर के बचकानी।
भारत की क्षमता के आगे,
हर बार पड़ी मुंह की खानी।
खुद ही कहने लग गए आज,
हमसे आगे हिन्दुस्तानी।।

एनटीपीसी और ईडीएफ इंडिया ने पीएसपी, जलविद्युत परियोजनाओं के लिए सहयोग किया

नई दिल्ली/भाषा। सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एनपीटीसी और फ्रांस की इलेक्ट्रिसिटी डी फ्रांस (ईडीएफ) की इकाई ईडीएफ इंडिया ने नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के साथ पंपयुक्त जल भंडारण और जलविद्युत परियोजनाएं स्थापित करने तथा वितरण कारोबार में अवसर तलाशने के लिए हाथ मिलाया है। बयान के अनुसार, एनटीपीसी और ईडीएफ इंडिया ने पंप भंडारण परियोजनाओं और किसी भी अन्य जल विद्युत परियोजनाओं के विकास, स्वामित्व, संचालन और रखरखाव के लिए एक गैर-बाध्यकारी टर्म शीट पर हस्ताक्षर किए हैं।

दोनों कंपनियों ने समझौते पर रविवार को हस्ताक्षर किए। समझौते के तहत, एनटीपीसी और ईडीएफ ने भारत सरकार से अपेक्षित अनुमोदन के बाद 50:50 भागीदारी के साथ एक संयुक्त उद्यम बनाने का प्रस्ताव किया है। बयान में कहा गया है कि यह संयुक्त उद्यम अपने दम पर ऐसी परियोजनाएं शुरू करेगा या भारत और पड़ोसी देशों में ऐसी परियोजनाएं शुरू करने के लिए संयुक्त उद्यम और अनुषंगी कंपनियां बना सकती है। संयुक्त उद्यम अन्य अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं के साथ जलविद्युत परियोजनाएं भी विकसित करेगा और वितरण व्यवसाय में अवसर तलाशेगा।

दिल्ली की पिछली आप सरकार खजाना खाली छोड़कर गई है : मुख्यमंत्री रेखा

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी (आप) के नेतृत्व वाली पूर्व सरकार, भाजपा सरकार के लिए सरकारी खजाने को खाली' छोड़कर गई है। गुप्ता ने आश्वासन दिया कि महिलाओं के लिए 2,500 रुपये मासिक भुगतान की योजना को विस्तृत योजना के साथ लागू किया जाएगा। गुप्ता ने सोमवार को दिल्ली की नवगठित 8वीं विधानसभा के पहले सत्र से पूर्व राज्य पार्टी कार्यालय में अन्य भाजपा विधायकों के साथ एक बैठक में भाग लिया। बैठक के बाद एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए नवनियुक्त मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला समृद्धि योजना के कार्यान्वयन पर अधिकारियों के साथ कई बैठकें हुई हैं, जिसके तहत दिल्ली में पात्र महिलाओं को 2,500 रुपये प्रति माह का भुगतान किया जाना है। योजना को लागू करने की तैयारी के बारे में पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा, (पिछली) सरकार हमें किस स्थिति में छोड़ गई है...जब हम मौजूदा सरकार की वित्तीय स्थिति की समीक्षा करने के लिए अधिकारियों के साथ बैठे, तो हमने पाया कि सरकारी खजाना खाली है। लेकिन गुप्ता ने आश्वासन दिया कि इस योजना को निश्चित रूप से विस्तृत योजना के साथ लागू किया जाएगा।

शौचालय की सीट पर अधिक देर तक फोन के इस्तेमाल से हो सकता है बवासीर : डॉक्टर

नई दिल्ली/भाषा। चिकित्सकों का कहना है कि शौचालय की सीट पर बैठकर लंबे समय तक मोबाइल फोन का उपयोग करने से बवासीर और गुदा फिस्टुला की समस्या बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि इस आदत के साथ-साथ यदि आपकी बैठकर काम करने की (गतिहीन) जीवनशैली है और खराब आहार लेते हैं तो उसके फलस्वरूप मलाशय क्षेत्र पर दबाव बढ़ता है और ऐसे में ऐसी दर्दनाक स्थिति उत्पन्न होती है, जिसके लिए अक्सर आपको चिकित्सकीय परामर्श की जरूरत होगी। मुंबई के ग्लेनीगल्स अस्पताल के वरिष्ठ रोबोटिक और लेप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ. जिग्नेश गांधी ने इस चिंता को उजागर करते हुए आरामतलब जीवनशैली और शौचालयों में अत्यधिक फोन के इस्तेमाल के बीच संबंध बताया। वह शनिवार को ओखला में ईएसआईसी अस्पताल के %4वें स्थापना दिवस पर बोल रहे थे।

अस्पताल के सर्जरी विशेषज्ञ डॉ. रवि रंजन ने बताया कि अस्पताल में एक साल में बवासीर और फिस्टुला के 500 से ज़्यादा मामले आए। उन्होंने खराब जीवनशैली की आदतों जैसे कम पानी पीना, जंक फूड' का अत्यधिक सेवन और शौचालय में ज्यादा समय बिताना, को इसका मुख्य कारण बताया। मारेंगो एशिया अस्पताल के सर्जन डॉ. बीरबल ने कहा, खराब आहार से जन्म लेने वाली पुरानी कब्ज और शौचालय पर लंबे समय तक बैठे रहने से एक दुष्चक्र बन जाता है। उन्होंने कहा, इससे मलाशय क्षेत्र पर अनावश्यक दबाव पड़ता है, जिससे दर्दनाक सूजन होती है, परिणामस्वरूप बवासीर और गंभीर मामलों में गुदा फिस्टुला हो सकता है। विशेषज्ञों ने कहा कि ऐसे मामलों की बढ़ती संख्या सरकारी अस्पतालों पर दबाव डाल रही है। उन्होंने बोझ को कम करने के लिए स्थानीय एनेस्थीसिया (राफेलो) के तहत बवासीर के रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लेशन' जैसी न्यूनतम चीरफाड़ वाली प्रक्रियाओं पर भी प्रकाश डाला।

रेड्डी ने लक्ष्मी नरसिंह स्वामी मंदिर केसोने के आवरण वाले 'विमान गोपुरम' का अनावरण किया

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने रविवार को यादगिरिगुट्टा में श्री लक्ष्मी नरसिंह स्वामी मंदिर में सोने के आवरण वाले 'विमान गोपुरम' का अनावरण किया। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि श्री लक्ष्मी नरसिंह स्वामी मंदिर के 'महाकुंभभिषेकम' समारोह में भाग लेने वाले रेवंत रेड्डी ने वहां अधिष्ठापित देवता को 'विमान गोपुरम' समर्पित किया।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि 50.5 फुट ऊंचा और सोने के आवरण वाला 'विमान गोपुरम' अब देश का सबसे ऊंचा गोपुरम है। इसमें कुल 68 किलोग्राम सोना का उपयोग किया गया है और यह 10,%59 वर्ग फीट में फैला हुआ है। मुख्यमंत्री ने श्री लक्ष्मी नरसिंह स्वामी की विशेष पूजा-अर्चना भी की।

मुंबई में कार की चपेट में आने से बच्चे की मौत, मां गंभीर रूप से घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। मुंबई के वडाला इलाके में फुटपाथ पर सो रहे 18 महीने के एक बच्चे की एक कार की चपेट में आने से मौत हो गई, जबकि उसकी मां गंभीर रूप से घायल हो गई। एक पुलिस अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। आरएके मार्ग पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया कि यह घटना शनिवार देर रात बलराम खेडेकर रोड पर हुई। अधिकारी ने बताया, प्रिया निखिल लोंधे (29) और उसका बेटा वरदान फुटपाथ पर सो रहे थे, तभी कमल विजय रिया (46) नामक एक चालक ने अपनी तेज रफ्तार कार से उन्हें कुचल दिया, जिससे बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि प्रिया गंभीर रूप से घायल हो गई।'' रिया को लापरवाही से मौत का कारण बनने के लिए भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया गया है। अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, दुर्घटना के समय रिया नशे में नहीं थी।

असम मंत्रिमंडल ने व्यापार सम्मेलन से पहले 1.22 लाख करोड़ रुपये केनिवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा शर्मा ने कहा है कि असम मंत्रिमंडल ने राज्य व्यापार शिखर सम्मेलन के दूसरे संस्करण से पहले रविवार को 1.22 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी। मंत्रिपरिषद की बैठक के बाद संवाददाताओं को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा कि यह निर्णय लिया गया है कि यहां एडवांटेज असम-2.0 निवेश एवं अवसंरचना शिखर सम्मेलन' के दौरान हस्ताक्षरित होने वाले सभी सहमति पत्रों की मंत्रिमंडल द्वारा उचित जांच की जाएगी और फिर उन्हें मंजूरी दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक में मंत्रिमंडल ने 45,000 करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापन (एमओयू) को खारिज कर दिया क्योंकि ये कमजोर आधार' पर पाए गए। उन्होंने कहा, हम लोगों के बीच अनावश्यक उत्साह पैदा नहीं करना चाहते, हम उचित और तर्कसंगत होना चाहते हैं। उन्होंने मंत्रिमंडल पर कहा कि मंजूरी से पहले सभी प्रस्तावों पर विचार किया गया था। दो दिवसीय एडवांटेज असम 2.0 निवेश और बुनियादी ढांचा शिखर सम्मेलन' का उद्घाटन 25 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे। इस कार्यक्रम में भारत के शीर्ष उद्योगपतियों के साथ-साथ कई देशों के राजदूतों और व्यापारिक प्रतिनिधिमंडलों के शामिल होने की उम्मीद है। शिखर सम्मेलन में निवेश प्रस्तावों को अंतिम रूप दिए जाने के साथ ही दो दिनों तक चलने वाले इस विशाल कार्यक्रम के दौरान जिला आयुक्तों (डीसी) के कार्यालयों में 50 करोड़ रुपये तक के निवेश के लिए समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए जाएंगे।

विश्व के 61 देशों के मिशन प्रमुख असम का दौरा करेंगे

गुवाहाटी/जोरहाट/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि विभिन्न देशों के 60 से अधिक मिशन प्रमुख रविवार से असम की यात्रा पर आएंगे, जिस दौरान वे काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान का दौरा करेंगे, झुमुर नृत्य देखेंगे और एक व्यापार शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे।

शर्मा ने कहा कि विदेश मंत्री एस जयशंकर इस यात्रा के लिए राजदूतों के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। इस यात्रा के दौरान, राज्य सरकार यहां के शांतिपूर्ण माहौल को रेखांकित करेगी, ताकि जिन देशों ने राज्य के खिलाफ नकारात्मक यात्रा परामर्श जारी किए हैं, उन्हें इसे वापस लेने के लिए राजी किया जा सके। गुवाहाटी में संवाददाता सम्मेलन में मुख्यमंत्री ने कहा, विदेश मंत्री एस जयशंकर 61 देशों के मिशन प्रमुख और उनमें से लगभग 22 के परिवारों के साथ आज जोरहाट पहुंचेंगे। वे वहां रात्रि विश्राम करेंगे और सोमवार सुबह काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान का दौरा करेंगे, जहां वे हाथी और जीप सफारी का आनंद लेंगे। उन्होंने बताया कि इसके बाद प्रतिनिधिमंडल सोमवार शाम 8,500 से अधिक कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले झुमुर नृत्य को देखने के लिए गुवाहाटी के लिए रवाना होगा।

शिवाजी के किलों के लिए यूनेस्को विरासत का दर्जा हासिल करने महाराष्ट्र का प्रतिनिधिमंडल पेरिस पहुंचा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के सांस्कृति मंत्री आशीष शेलार के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल मराठा शासक छत्रपति शिवाजी महाराज के 12 किलों को यूनेस्को विश्व विरासत स्थल का दर्जा दिलाने की मांग को लेकर फ्रांस के पेरिस में है। एक अधिकारी ने यह रविवार को जानकारी दी।

शेलार के कार्यालय से जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, महाराष्ट्र सरकार ने 'भारत का मराठा सैन्य परिदृश्य' विषय के अंतर्गत यूनेस्को को एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया है, जिसमें 12 किलों को विश्व विरासत सूची में शामिल करने की मांग की गई है। बयान में कहा गया है कि प्रस्ताव में रायगढ़, राजगढ़, प्रतापगढ़, पन्हाला, शिवनेरी, लोहागढ़, सालहेर, सिंधुदुर्ग, सुवर्णदुर्ग, विजयदुर्ग, खंडेरी और तमिलनाडु में जिंजी के किले को शामिल किया गया है। मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस के निर्देश पर एक प्रतिनिधिमंडल यूनेस्को दर्जा के लिए राज्य का पक्ष रखने को लेकर शनिवार को पेरिस रवाना हुआ। शेलार ने महाराष्ट्र के प्रस्ताव को यूनेस्को को भेजने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति तथा वैश्विक मंच पर राज्य का प्रतिनिधित्व करने की जिम्मेदारी देने के लिए फडणवीस का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, अगर यूनेस्को इन किलों को विश्व विरासत स्थल का दर्जा देता है, तो इससे बेहतर संरक्षण और पर्यटन के विकास के रास्ते खुलेंगे। इससे महाराष्ट्र की सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखने और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। सम्मेलन के दौरान जिलों में पांच लाख से 50 करोड़ रुपये के बीच के निवेश प्रस्तावों वाले कुल 2,590 ऐसे सहमति पत्रों पर हस्ताक्षर किए जाने की पुष्टि हुई है।

गुलमर्ग में स्कीइंग को बढ़ावा देने के लिए सरकार निजी निवेशकों से बातचीत कर रही है : उमर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने रविवार को कहा कि सरकार प्रसिद्ध स्कीइंग गंतव्य गुलमर्ग में बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए कुछ निजी निवेशकों के साथ बातचीत कर रही है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि गुलमर्ग में हेली-स्कीइंग और सफारी के लिए पूरे साल एक हेलीकॉप्टर उपलब्ध रहेगा।

अब्दुल्ला ने उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले में संवाददाताओं से कहा, हम कुछ निजी निवेशकों के साथ बातचीत कर रहे हैं, जो गुलमर्ग में स्कीइंग के बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए तैयार हैं। बातचीत चल रही है और अगर कोई अच्छा प्रस्ताव आता है, तो हम उस पर काम करेंगे। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर केबल कार निगम द्वारा नई केबल कार परियोजनाओं को विकसित करने के लिए कुछ अन्य योजनाएं भी विचाराधीन हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, इस साल, हमारे यहां बहुत अधिक बर्फबारी नहीं हुई है। लेकिन फिर भी, लोग यहां स्कीइंग का आनंद ले रहे हैं और आज से हेली-स्कीइंग' शुरू हो जाएगी। वे हेलीकॉप्टर में प्राकृतिक सुंदरता का भी आनंद ले सकते हैं। इस बार, हेलीकॉप्टर पूरे साल उपलब्ध रहेगा और लोग अब गुलमर्ग में हेलीकॉप्टर सफारी का भी आनंद ले सकते हैं। बर्फबारी न होने के कारण स्थगित हुए खेलो इंडिया गेम्स के आयोजन पर अब्दुल्ला ने कहा कि सरकार अभी इस बारे में कोई घोषणा करने की स्थिति में नहीं है। खेलो इंडिया गेम्स 22 फरवरी से आयोजित होने वाले थे। अब्दुल्ला ने कहा, 26 फरवरी से तीन दिनों तक ताजा बर्फबारी होने की उम्मीद है।

विधानसभा अध्यक्ष एक तरह का 'मार्शल लॉ' लागू कर रहे हैं : महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर/भाषा। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने रविवार को कहा कि विधानसभा अध्यक्ष की भूमिका विधानमंडल के सदस्यों के अधिकारों की रक्षा करना है, ना कि सेंसर' (नियंत्रक) की तरह काम करना है। उनकी यह टिप्पणी जम्मू-कश्मीर विधानसभा अध्यक्ष अब्दुल रहीम राथर द्वारा बजट सत्र से पहले सदन के कामकाज के नोटिस के प्रचार को गंभीरता से लेने के बाद आई है। विधानसभा अध्यक्ष ने सदस्यों से विशेषाधिकार हनन से दूर रहने को कहा है। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री ने राथर पर संवैधानिक पद पर रहते हुए एक तरह का मार्शल लॉ' लागू करने का आरोप लगाया।

उन्होंने एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, राथर साहब भले ही विधायी कार्यवाही की पवित्रता को बनाए रखने के बारे में चिंतित हों, लेकिन अध्यक्ष के तौर पर उनकी प्राथमिक भूमिका सदस्यों के अधिकारों की रक्षा करना है, न किसेंसर' की तरह काम करना है। उन्होंने कहा कि विधायी गतिविधियों के बारे में पारदर्शिता और जन जागरूकता को संसदीय प्रथाओं के उल्लंघन के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, इसके विपरीत, नोटिस, प्रश्नों और प्रस्तावों के बारे में जनता को पहले से सूचित करना जवाबदेही को बढ़ावा देता है। हाल ही में वक्फ विधेयक जैसे कई महत्वपूर्ण संसदीय विधेयकों पर महीनों तक सार्वजनिक रूप से बहस होती रही।

आतिशी दिल्ली विधानसभा की नेता प्रतिपक्ष चुनी गईं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी को रविवार को यहां आम आदमी पार्टी (आप) के विधायकों की बैठक में दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष चुना गया। पार्टी के नेताओं ने यह जानकारी दी। पार्टी के 22 विधायकों की बैठक में आप' प्रमुख अरविंद केजरीवाल भी शामिल हुए। पार्टी की दिल्ली इकाई के संयोजक गोपाल राय ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सभी आप' विधायकों ने सर्वसम्मति से आतिशी को विपक्ष का नेता चुना है। उन्होंने बताया कि बुराड़ी से विधायक संजीव झा ने नेता प्रतिपक्ष के लिए आतिशी के नाम का प्रस्ताव रखा और सभी विधायकों ने उसका समर्थन किया। राय बाबरपुर से विधायक हैं। आतिशी ने संवाददाता सम्मेलन में पार्टी प्रमुख केजरीवाल और सभी विधायकों का आभार जताया।

उन्होंने, आप सदन में दिखाएगी कि एक मजबूत विपक्ष की क्या भूमिका होती है और सभी मुद्दों को पूरी ताकत से उठाएगी। आप यह सुनिश्चित करेगी कि सत्ता में रहने के नाते भाजपा अपने सभी वादे पूरे करे।

खास तौर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 8 मार्च तक दिल्ली की महिलाओं को 2,500 रुपये देने का वादा। हम वादा करते हैं कि हम रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार से यह वादा पूरा करवाएंगे।

केजरीवाल ने एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मैं आतिशी जी को सदन में आप का नेता चुने जाने पर बधाई देता हूं। आप दिल्ली के लोगों के हित में रचनात्मक विपक्ष की भूमिका निभाएगी।''

पंजाबी अभिनेत्री सोनिया मान आम आदमी पार्टी में शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाबी अभिनेत्री सोनिया मान रविवार को दिल्ली में आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की मौजूदगी में पार्टी में शामिल हो गईं। पार्टी की ओर से जारी बयान में कहा गया कि केजरीवाल समेत अन्य आप नेताओं ने मान का पार्टी में स्वागत किया।

बयान में कहा गया कि कीर्ति किसान यूनियन के नेता बलदेव सिंह की बेटी मान लंबे समय से समाज सेवा में सक्रिय रूप से शामिल रही हैं और अक्सर सोशल मीडिया के माध्यम से महत्वपूर्ण सामाजिक और राजनीतिक मुद्दे उठाती रही हैं।'' मान ने कहा कि वह पंजाब में आम आदमी पार्टी सरकार के काम से प्रभावित हैं। उन्होंने कहा, मैंने आप में शामिल होने का फैसला किया। मुझे लगा कि केवल यही पार्टी मुझे लोगों के लिए काम करने का मौका दे सकती है। जब भी मैं किसी आप विधायक या मंत्री के पास किसी काम के लिए जाती थी, तो वे उसे प्राथमिकता देते थे।

कांग्रेस 8 और 9 अप्रैल को अहमदाबाद में एआईसीसी का अधिवेशन करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने रविवार को कहा कि वह गुजरात के अहमदाबाद में 8 और 9 अप्रैल को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) का अधिवेशन आयोजित करेगी, जिसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जनविरोधी'' नीतियों के चलते उत्पन्न चुनौतियों, संविधान पर भाजपा के कथित हमले और भविष्य के लिए पार्टी का रोडमैप' तैयार करने पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

कांग्रेस महासचिव एवं संगठन प्रभारी के सी वेणुगोपाल ने एक बयान में कहा कि आगामी अधिवेशन न केवल महत्वपूर्ण विचार-विमर्श के लिए एक मंच होगा, बल्कि आम लोगों की चिंताओं को दूर करने और राष्ट्र के लिए एक मजबूत वैकल्पिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करने के कांग्रेस पार्टी के सामूहिक संकल्प को भी प्रदर्शित करेगा। वेणुगोपाल ने कहा, यह महत्वपूर्ण अधिवेशन देश भर से एआईसीसी के प्रतिनिधियों को एक साथ लाएगा जहां वे भाजपा की जनविरोधी नीतियों और संविधान एवं इसके मूल्यों पर लगातार किये जा रहे (भाजपा के) हमलों से उत्पन्न चुनौतियों पर विचार-विमर्श करेंगे तथा पार्टी (कांग्रेस) की आगे की रणनीति तैयार करेंगे। उन्होंने कहा कि अधिवेशन 8 अप्रैल को कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की विस्तारित बैठक के साथ शुरू होगा, जिसके बाद 9 अप्रैल को एआईसीसी प्रतिनिधियों की बैठक होगी। वेणुगोपाल ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे दोनों बैठकों की अध्यक्षता करेंगे, जिसमें कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्री, राष्ट्रीय पदाधिकारी, वरिष्ठ पार्टी नेता और अन्य एआईसीसी प्रतिनिधि शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि एआईसीसी का यह अधिवेशन बेलगावी विस्तारित सीडब्ल्यूसी बैठक (नव सत्याग्रह बैठक) में अपनाए गए प्रस्तावों की अगली कड़ी के रूप में आयोजित किया जा रहा है, जो 1924 के कांग्रेस अधिवेशन में महात्मा गांधी के अध्यक्ष बनने की 100वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। वेणुगोपाल ने उल्लेख किया कि महात्मा गांधी, डॉ. भीमराव आंबेडकर और संविधान की विरासत को संरक्षित, सुरक्षित और बढ़ावा देने की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करते हुए यह निर्णय लिया गया कि 26 जनवरी 2025 और 26 जनवरी 2026 के बीच कांग्रेस संविधान बचाओ राष्ट्रीय पदयात्रा' नामक राष्ट्रव्यापी जनसंपर्क अभियान शुरू करेगी, साथ ही महात्मा गांधी की जन्मस्थली गुजरात में एआईसीसी की एक बैठक भी आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा, आगामी अधिवेशन न केवल महत्वपूर्ण विचार-विमर्श के लिए एक मंच होगा, बल्कि आम लोगों की चिंताओं को दूर करने और राष्ट्र के लिए एक मजबूत वैकल्पिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करने के लिए कांग्रेस पार्टी के सामूहिक संकल्प को भी प्रदर्शित करेगा। कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने अप्रैल के मध्य से देश भर में 'रिले यात्रा' निकालने का भी फैसला किया है, जो पिछले दिसंबर में आयोजित बेलगावी कार्यसमिति की बैठक में पारित पार्टी के प्रस्ताव को पूरा करते हुए 26 जनवरी 2026 को समाप्त होगी। पिछले सप्ताह पार्टी महासचिवों और विभिन्न राज्यों के प्रभारियों की बैठक में कांग्रेस नेताओं ने जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने के तरीकों पर करीब सात घंटे तक विचार-विमर्श किया था और एक विस्तृत योजना तैयार की थी।

बैठक के बाद संवाददाताओं को जानकारी देते हुए कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने कहा कि बेलगावी में 'नव सत्याग्रह' में रखे गए प्रस्ताव पर चर्चा की गई।

गुजरात में बौद्ध सर्किट के लिए 12 स्थलों को विकसित करने का काम जारी है : पर्यटन मंत्री

गांधीनगर/भाषा। गुजरात सरकार केंद्र सरकार के सहयोग से राज्य में बौद्ध सर्किट विकसित कर रही है और 12 स्थलों पर पर्यटक सुविधाओं पर काम पूरा हो चुका है। राज्य के मंत्री मुलु बेरा ने रविवार को यह जानकारी दी। राज्य के पर्यटन मंत्री ने कहा कि अरावली जिले में देव नी मोरी नामक स्थान के विकास के लिए कार्य चल रहा है, जहां एक स्तूप के उत्खनन के दौरान बुद्ध के अवशेषों से युक्त एक उत्कीर्ण मंजूषा प्रकाश में आई थी। उन्होंने राज्य पर्यटन विभाग के सहयोग से संघकाय फाउंडेशन द्वारा आयोजित बौद्ध विरासत पर छठे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, गुजरात सरकार स्वदर्शन योजना के तहत केंद्र सरकार की मदद से बौद्ध सर्किट विकसित कर रही है। इस योजना के तहत 12 ऐसे स्थानों पर पर्यटक सुविधाएं विकसित की गई हैं।

बेरा ने कहा कि राज्य ने देव नी मोरी के विकास के लिए केंद्र सरकार को 653 करोड़ रुपये की संशोधित परियोजना सौंपी है, जहां बौद्ध अवशेष खोजे गए थे और वडोदरा में एमएस विश्वविद्यालय में संरक्षित किए गए थे। उन्होंने कहा, इन 12 स्थलों के लिए विभिन्न कार्य किए गए हैं तथा काफी कार्य प्रगति पर है। हमने इन स्थलों के विकास के लिए भूमि सुरक्षित करने के लिए सात जिलों (जहां ये स्थल स्थित हैं) के कलेक्टर को पत्र लिखा है।

अधिवक्ता संशोधन विधेयक कानूनी पेशे की स्वायत्तता पर सीधा हमला : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने अधिवक्ता संशोधन विधेयक, 2025 को लेकर रविवार को केंद्र पर निशाना साधते हुए कहा कि यह विधेयक कानूनी पेशे की स्वायत्तता पर 'सीधा हमला' है। उन्होंने दावा किया कि इस विधेयक में तमिल के प्रति भाजपा की अरुचि स्पष्ट है, क्योंकि वह तमिलनाडु और पुडुचेरी बार काउंसिल का नाम बदलकर मद्रास बार काउंसिल करना चाहती है। उन्होंने कहा, ''तमिलनाडु महज नाम नहीं है, यह हमारी पहचान है।'' मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि 2014 से भाजपा सरकार न्यायपालिका की स्वतंत्रता को सुनियोजित तरीके से कमजोर कर रही है – पहले एनजेएसी के माध्यम से न्यायिक नियुक्तियों को नियंत्रित करने की कोशिश करके और फिर न्यायिक नियुक्तियों और स्थानांतरण के लिए कॉलेजियम की सिफारिशों को नजरअंदाज करके।

उन्होंने कहा, अब बार काउंसिल पर नियंत्रण की बात करते हुए उसका लक्ष्य कानूनी पेशे की स्वायत्तता को खत्म कर न्यायिक स्वतंत्रता को कमजोर करना है। उन्होंने कहा, हालांकि मसौदा विधेयक के विरूद्ध स्वतःस्फूर्त विरोध और कड़े प्रतिरोध ने केंद्र सरकार को इसे वापस लेने के लिए मजबूर कर दिया, लेकिन यह जो शर्त है कि इस पर पुनर्विचार किया जाएगा और नए सिरे से प्रक्रिया शुरू की जाएगी, निंदनीय है। सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष स्टालिन ने कहा कि उनकी पार्टी इस विधेयक को पूरी तरह से वापस लेने की मांग करती है और केंद्र सरकार से कानूनी पेशे की स्वायत्तता का सम्मान करने की अपील करती है। बार निकायों द्वारा विधेयक के विभिन्न प्रावधानों के विरोध के बीच, सरकार ने शनिवार को कहा कि वह अधिवक्ता (संशोधन) विधेयक के मसौदे को संशोधित करेगी।

'तमिलनाडु को लोकसभा सीट की संख्या में संभावित कमी का सामना करना पड़ रहा है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एवं द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) अध्यक्ष एमके स्टालिन ने रविवार को कहा कि राज्य संसदीय सीटों में संभावित कमी की स्थिति का सामना कर रहा है, क्योंकि उसने परिवार नियोजन कार्यक्रम लागू किया है। स्टालिन ने पहले भी इस विषय पर बात करते हुए कहा था कि लोकसभा परिसीमन की कवायद लोगों को ''16 बच्चों'' के पालन-पोषण के बारे में सोचने पर मजबूर कर सकती है, जो 16 (तरह की संपत्ति) से संबंधित एक तमिल कहावत का संदर्भ है।

उन्होंने 16 प्रकार की संपत्ति से संबंधित एक तमिल कहावत का हवाला दिया, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि लोगों को अपने बच्चों के तमिल नाम रखने चाहिए। रविवार को अपने कोलाथुर निर्वाचन क्षेत्र में एक वरिष्ठ पार्टी पदाधिकारी के विवाह समारोह में स्टालिन ने नवविवाहितों से अपने बच्चों के तमिल नाम रखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि परिवार नियोजन अभियान बच्चों की संख्या पर ध्यान केन्द्रित करते हुए एक सुनियोजित परिवार की आवश्यकता को रेखांकित करता है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''क्योंकि हमने इसका लगातार उचित तरीके से पालन किया, इसलिए परिसीमन प्रक्रिया के तहत संसदीय सीटों की संख्या कम करने की स्थिति पैदा हुई है।'' तमिलनाडु में लोकसभा की 39 सीट हैं और यह राज्य परिसीमन के बाद इस संख्या में किसी भी तरह की कमी का विरोध कर रहा है।

अन्नाद्रमुक में ओपीएस के लिए कोई जगह नहीं : पलानीस्वामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) महासचिव ई. के. पलानीस्वामी ने रविवार को संकेत दिया कि पार्टी से निष्कासित नेता ओ. पनीरसेल्वम (ओपीएस) की वापसी संभव नहीं है। यह बयान ऐसे समय आया है जब हाल ही में ओपीएस ने पार्टी में लौटने की इच्छा जताई थी। जयललिता की 77वीं जयंती के एक दिन पहले, पार्टी कार्यकर्ताओं को लिखे पत्र में पलानीस्वामी ने कहा, क्या भेड़िया और भेड़ एक साथ रह सकते हैं? क्या खरपतवार और फसल एक साथ उपज का हिस्सा बन सकते हैं? क्या वफादार और गद्दार कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हो सकते हैं? मैं आपका 'नहीं' सुन सकता हूं।

पलानीस्वामी का यह बयान ओपीएस के लिए परोक्ष प्रतिक्रिया माना जा रहा है। कुछ दिन पहले पूर्व मुख्यमंत्री ओ. पनीरसेल्वम ने कहा था कि वह अन्नाद्रमुक में लौटने को तैयार हैं, लेकिन इसके लिए शर्त रखी थी कि पार्टी के महासचिव पद का चुनाव कैडर के जरिए हो। उन्होंने कहा था, मैं, टीटीवी दिनाकरन और शशिकला (अन्नाद्रमुक से निष्कासित) बिना शर्त पार्टी में फिर शामिल होने के लिए तैयार हैं। हम बातचीत के जरिए मुद्दों को हल कर सकते हैं। पलानीस्वामी ने इस दौरान मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन के नेतृत्व वाली द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार पर भी हमला बोला और कहा कि राज्य में महिलाओं की सुरक्षा समेत कई मुद्दों को लेकर जनता सरकार से नाखुश है और अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों में अन्नाद्रमुक की सत्ता में वापसी चाहती है।

उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने कई चुनौतियों, खासकर वित्तीय संकट के बावजूद प्रभावी प्रशासन सुनिश्चित किया।

जयललिता के नेतृत्व में अन्नाद्रमुक ने वर्ष 2011 में भारी बहुमत से सत्ता हासिल की थी और वर्ष 2016 में भी पार्टी को जीत दिलाई थी। वर्ष 2011 से 2021 तक लगातार दस वर्षों तक सत्ता में कायम रहना तमिलनाडु की राजनीति में एक दुर्लभ उपलब्धि मानी जाती है।

श्रीलंकाई नौसेना ने 32 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया

चेन्नई/कोलंबो। श्रीलंकाई अधिकारियों ने द्वीप राष्ट्र के जलक्षेत्र में प्रवेश करने के आरोप में रविवार को 32 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया और मछली पकड़ने वाली उनकी पांच नौकाएं जब्त कर लीं। नौसेना ने यह जानकारी दी। श्रीलंकाई नौसेना ने एक बयान में कहा कि इन लोगों को मन्नार के उत्तर में समुद्री क्षेत्र में एक विशेष अभियान के दौरान गिरफ्तार किया गया। बयान में कहा गया, मछली पकड़ने वाली पांच भारतीय नौकाओं को जब्त कर लिया गया और 32 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया गया। नौसेना ने कहा कि गिरफ्तार मछुआरों और उनकी नौकाओं को तलाईमन्नार पियर लाया गया, जहां उन्हें कानूनी कार्रवाई के लिए मन्नार के मत्स्य निरीक्षक को सौंप दिया जाएगा। बयान के अनुसार, नौसेना ने इस वर्ष अब तक 131 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया है और श्रीलंकाई जलक्षेत्र में अवैध रूप से मछली पकड़ने वाली 18 नौकाओं को जब्त किया है। मछुआरों का मुद्दा भारत और श्रीलंका के बीच एक विवादास्पद मुद्दा रहा है। श्रीलंकाई नौसेना के कर्मियों ने पाक जलडमरूमध्य क्षेत्र में भारतीय मछुआरों पर गोलीबारी भी की है और श्रीलंकाई जलक्षेत्र में अवैध रूप से प्रवेश करने की कई कथित घटनाओं में उनकी नौकाओं को जब्त कर लिया है।

केरल में रेल पटरी पर 'टेलीफोन पोस्ट' रखने वाले व्यक्तियों की रही है आपराधिक पृष्ठभूमि : पुलिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोल्लम/भाषा। केरल में कोल्लम के समीप रेलवे पटरी पर कथित तौर पर 'टेलीफोन पोस्ट (टेलीफोन खंभे से जुड़ा लौह उपकरण)' रख देने के आरोप में गिरफ्तार किए गए दो व्यक्तियों का आपराधिक रिकॉर्ड रहा है और उनमें से एक कुछ साल पहले पुलिस उपनिरीक्षक पर हमला करने के मामले में शामिल था। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। उसने बताया कि आरोपियों की पहचान पेरुम्पुझा निवासी राजेश (33) और अइलमबल्लूर के रहने वाले अरुण (39) के रूप में हुई है, जिन्हें शनिवार को हिरासत में लिया गया।

जब पुलिस अधिकारियों से पूछा गया कि क्या दोनों से राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने पूछताछ की है, तो उन्होंने कहा कि कई राष्ट्रीय एजेंसियों ने उनसे पूछताछ की है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों ने कथित रूप से कबूला है कि चोरी के प्रयास के तहत उन्होंने टेलीफोन के खंभे से लोहा तोड़ा एवं उसे कुंदरा में पटरियों पर रख दिया। हालांकि, पुलिस ने तोड़फोड़ के पहलू से इनकार नहीं किया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपियों में से एक करीब 11 आपराधिक मामलों में शामिल रहा है, जबकि दूसरा कुंदरा के पूर्व उपनिरीक्षक पर हमले सहित पांच मामलों में शामिल रहा है।

पुलिस के मुताबिक आरोपियों ने रेलवे मार्ग पर पोस्ट रखने की बात स्वीकार की है, क्योंकि उन्हें लगा कि सुबह की ट्रेन से वह टूट जाएगा। हालांकि, उन्होंने कथित तौर पर उसे दो बार रखा था। पुलिस के अनुसार घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दोनों को गिरफ्तार किया गया। उसने बताया कि वह दोनों को रविवार को अदालत में पेश करेगी तथा और पूछताछ के लिए उन्हें हिरासत में देने की मांग करेगी। पुलिस का कहना है कि रात करीब डेढ़ बजे एक स्थानीय निवासी को नेदुम्बईकुलम में पुराने अग्निशमन केंद्र के पास टेलीफोन का पोस्ट नजर आया जिसके बाद उसने रेल प्रशासन को इसकी सूचना दी और फिर रेलवे अधिकारियों ने शनिवार तड़के उसे हटा दिया।

कन्नड़, कर्नाटक का अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे: बेलगावी विवाद पर भाजपा नेता विजयेंद्र

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । सीमा पर चल रहे विवाद के बीच, कर्नाटक भाजपा ने रविवार को कन्नड़ भाषा और कर्नाटक राज्य का अपमान करने के किसी भी प्रयास की निंदा की और इसे 'अक्षम्य कृत्य' कहा। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने कहा कि जो लोग राज्य के लाभों का आनंद लेते हैं, लेकिन कन्नड़ और कर्नाटक के खिलाफ बोलते हैं, उन्हें माफ नहीं किया जा सकता। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, कन्नड़ और कर्नाटक का अपमान करना, वह भी राज्य के भीतर, एक अक्षम्य अपराध है। मैंने कन्नड़ समर्थक संगठनों के बयान पर गौर किया है। हम कन्नड़ लोगों को इस तरह की आक्रामकता के खिलाफ आवाज उठाने की जरूरत है।विजयेंद्र बेलगावी में केएसआरटीसी बस चालक और संवाहक पर कथित तौर पर मराठी में बात नहीं करने पर हुए हमले से संबंधित एक सवाल का जवाब दे रहे थे।

स्टालिन ने तमिलनाडु के मछुआरों की गिरफ्तारी की घटनाओं में वृद्धि को लेकर चिंता जताई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्रीलंकाई नौसेना द्वारा तमिलनाडु के मछुआरों की गिरफ्तारी की घटनाओं में वृद्धि को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने केंद्र से इस मुद्दे का स्थायी समाधान निकालने के लिए संयुक्त कार्य समूह का तुरंत गठन करने का रविवार को आग्रह किया।

मुख्यमंत्री ने विदेश मंत्री एस जयशंकर को पत्र लिखकर श्रीलंकाई नौसेना द्वारा 32 भारतीय मछुआरों को हिरासत में लिये जाने और पांच नौकाओं को जब्त किये जाने की घटना की जानकारी दी। स्टालिन ने अपने पत्र में कहा, मैं यह पत्र गहरी पीड़ा के साथ लिख रहा हूं क्योंकि हाल के दिनों में श्रीलंकाई नौसेना द्वारा तमिलनाडु के मछुआरों को पकड़ने की घटनाओं की संख्या में चिंताजनक वृद्धि हुई है। नवीनतम घटना में, 23 फरवरी 2025 को श्रीलंकाई नौसेना द्वारा 32 मछुआरों को उनकी पांच नौकाओं के साथ पकड़ लिया गया... ये मछुआरे 22 फरवरी 2025 को रामेश्वरम बंदरगाह से मछली पकड़ने के लिए निकले थे। उन्होंने कहा कि श्रीलंकाई नौसेना द्वारा तमिलनाडु के मछुआरों को बड़ी संख्या में हिरासत में लेने का सिलसिला जारी है, जबकि उन्होंने कोलंबो से ऐसी गिरफ्तारियों को रोकने के लिए बार-बार अनुरोध किया है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष अब तक आठ अलग-अलग घटनाओं में श्रीलंकाई नौसेना ने 119 मछुआरों को पकड़ा है और 16 नौकाओं को जब्त किया है। उन्होंने कहा, ''इसलिए, मैं एक बार फिर अपने इस अनुरोध को दोहराता हूं कि लंबित मुद्दे का स्थायी समाधान खोजने के लिए संयुक्त कार्य समूह का तुरंत गठन किया जाये। यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि इन आशंकाओं के कारण हमारे मछुआरों के परिवारों की आजीविका गंभीर रूप से प्रभावित हुई है।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि हमारे मछुआरों की गिरफ्तारी को रोकने के लिए मजबूत कूटनीतिक प्रयास करें और श्रीलंकाई अधिकारियों से सभी गिरफ्तार मछुआरों की रिहाई सुनिश्चित करें।'' श्रीलंकाई नौसेना ने कहा था कि श्रीलंकाई अधिकारियों ने द्वीप राष्ट्र के जलक्षेत्र में प्रवेश करने के आरोप में रविवार को 32 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया और मछली पकड़ने वाली उनकी पांच नौकाएं जब्त कर लीं।

वायनाड भूस्खलन पीड़ितों ने प्रशासन से बातचीत के बाद आंदोलन रोका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वायनाड/भाषा। केरल के पर्वतीय जिले वायनाड में जुलाई 2024 में हुई भूस्खलन की घटनाओं के पीड़ितों की पुनर्वास प्रक्रिया में तेजी लाने की मांग को लेकर शुरू किया गया आंदोलन रविवार को अस्थायी रूप से रोक दिया। यह निर्णय प्रशासन के साथ बातचीत के बाद लिया गया। वायनाड जिले के चूरलमाला क्षेत्र में रविवार को जुलूस निकाल रहे प्रदर्शनकारियों को पुलिस द्वारा रोके जाने पर स्थिति तनावपूर्ण हो गई। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि पुनर्वास प्रक्रिया में देरी हो रही है। आंदोलन समिति के नेता ने कहा, हमने पुलिस के साथ बातचीत के बाद प्रदर्शन अस्थायी रूप से स्थगित कर दिया है। हालांकि, हम जिला अधिकारी से मिलकर 17 परिवारों को पुनर्वास लाभार्थी सूची से बाहर किए जाने का मुद्दा उठाएंगे। अगर इस पर उचित कार्रवाई नहीं होती है, तो हम धरना प्रदर्शन करेंगे।

प्रदर्शनकारियों ने भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र में अस्थायी झोपड़ियां बनाने के बाद सुबह नौ बजे प्रदर्शन शुरू किया। टीवी चैनलों पर प्रसारित दृश्यों के मुताबिक, प्रदर्शनकारियों ने चूरलमाला के बेली ब्रिज तक जुलूस निकाला, जिसे पुलिस ने आगे बढ़ने से रोक दिया और इस दौरान दोनों पक्षों में तीखी बहस हुई। यह प्रदर्शन जन शब्दम एक्शन कमेटी' के नेतृत्व में किया गया। जनकिया एक्शन समिति ने सोमवार को वायनाड के जिला कलेक्टरेट परिसर के सामने भूख हड़ताल करने की घोषणा की है।

प्रदर्शनकारी केंद्र सरकार से शीघ्र पुनर्वास और उन्हें प्रदान की गई 2,178 वर्ग फुट भूमि के अतिरिक्त एक व्यापक राहत पैकेज की मांग कर रहे हैं। इस बीच, एलडीएफ वायनाड जिला समिति ने केंद्र सरकार से पुनर्वास के लिए धन जारी करने की मांग को लेकर सोमवार को नई दिल्ली में विरोध-प्रदर्शन करने की घोषणा की है। केरल के राजस्व मंत्री के राजन ने आश्वासन दिया कि किसी को चिंता करने की जरूरत नहीं है और सभी बेघर लोगों को नया मकान मिलेगा। उन्होंने कहा, हम पुनर्वास को सिर्फ 2,178 वर्ग फुट भूमि तक सीमित नहीं कर रहे हैं, बल्कि और अधिक भूमि देने की संभावनाओं पर भी विचार कर रहे हैं। यदि अतिरिक्त भूमि दी जा सकती है, तो सरकार इसकी व्यवस्था करेगी। कांग्रेस नेता और कल्पेट्टा के विधायक टी सिद्दीकी ने पुनर्वास में देरी को लेकर जिला कलेक्टरेट के सामने भूख हड़ताल करने की घोषणा की है। उन्होंने आरोप लगाया कि आपदा के सात महीने बाद भी पीड़ितों को राहत नहीं मिल पाई है, जो अस्वीकार्य है।

आईसीडी ने एसआरएम के चांसलर को मानद फैलोशिप से सम्मानित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कट्टानकुलथुर/दक्षिण भारत। इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ डेंटिस्ट्री सेक्शन 6 (भारत, श्रीलंका और नेपाल) ने एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के संस्थापक चांसलर डॉ. टीआर पारिवेंधर को प्रतिष्ठित मानद फैलोशिप प्रदान की है। यह शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में उनके योगदान का सम्मान है।

डॉ. पारिवेंधर को आईसीडी की वार्षिक बैठक और दीक्षांत समारोह में उनके असाधारण योगदान के लिए यह सम्मान मिला।

मानद फैलोशिप आईसीडी के वैश्विक अध्यक्ष डॉ. इयान एम. डॉयल और आईसीडी सेक्शन 6 की अध्यक्ष डॉ. मीरा वर्मा तथा अन्य विशिष्ट अतिथियों द्वारा प्रदान की गई।

अपने स्वीकृति भाषण में डॉ. पारिवेंधर ने दंत चिकित्सा के महत्त्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस सम्मान के लिए आईसीडी के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

उन्होंने एसआरएम कट्टानकुलथुर डेंटल कॉलेज में किए जा रहे कार्यों के बारे में बताया। उन्होंने कहा, 'हम गरीबों का इलाज ही नहीं करते, बल्कि उन्हें मुस्कुराने का मौका भी देते हैं। यह वास्तव में ईश्वर की सेवा है।'

भाषा विवाद : तमिलनाडु में रेलवे स्टेशन पर हिंदी में लिखे नाम पर काला रंग पोता गया

पोल्लाचि। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक द्वारा केंद्र पर हिंदी थोपे जाने का आरोप लगाए जाने के बीच तमिल समर्थक कार्यकर्ताओं ने रविवार को यहां रेलवे स्टेशन पर हिंदी में लिखे स्थान के नाम पर काला रंग पोत दिया। वायरल वीडियो में कार्यकर्ता हिंदी में लिखे 'पोल्लाचि जंक्शन' पर काला पेंट करते दिखाई देते हैं, लेकिन अधिकारियों ने बाद में इसे सही कर दिया।

दक्षिणी रेलवे के पालघाट मंडल ने सोशल मीडिया पर जारी अपडेट में कहा, आरपीएफ पोलाचि ने आरोपियों की पहचान कर ली है और रेलवे अधिनियम के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत मामला दर्ज कर लिया है तथा उन पर मुकदमा चलाया जाएगा। इसे तुरंत ठीक कर दिया गया। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक का भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के साथ वाकयुद्ध जारी है और उसने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020) के माध्यम से हिंदी थोपने का आरोप लगाया गया है। हालांकि केंद्र ने इस आरोप का खंडन किया है।

केरल में हाथियों के हमले में एक आदिवासी पुरुष और एक महिला की हुई मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कन्नूर/भाषा। केरल के कन्नूर जिले के अरलम फार्म इलाके में रविवार शाम एक जंगली हाथी ने एक पुरुष और एक महिला को कथित तौर पर कुचल कर मार डाला। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि उनकी पहचान 13 वें खंड के निवासियों-- वेल्ली और लीला के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, यह घटना अरलम आदिवासी पुनर्वास क्षेत्र के 13वें खंड में उस समय घटी, जब ये दोनों काजू इकट्ठा करने के लिए बाहर गए थे। पुलिस और वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंच गये हैं।

पुलिस के मुताबिक, दोनों के शवों को परियारम के सरकारी चिकित्सा महाविद्यालय ले जाया जाएगा। तेरहवें खंड खासकर ओडाचाल क्षेत्र के बारे में चर्चा है कि इस क्षेत्र में बार-बार जंगली हाथी घुस आते हैं। पिछले छह सालों में अरलम फार्म क्षेत्र में हाथियों के हमले में 11 लोगों की मौत हो गयी।

आमजन को त्वरित न्याय दिलाने के लिए राज्य सरकार कृतसंकल्पित : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। राजस्थान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने समाज में न्याय की रक्षा और प्रसार के लिए विधि विद्यार्थियों को काम करने की जरुरत बताते हुए कहा है कि इसके लिए उन्हें कानून की शिक्षा के साथ गहरी समझ, संवेदनशीलता और सामाजिक दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है और वे समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझकर अपने ज्ञान का उपयोग बेहतर, समृद्ध और सशक्त देश-प्रदेश बनाने में करना चाहिए। शर्मा रविवार को जोधपुर में राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के 17वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि आमजन को त्वरित न्याय दिलाने के लिए राज्य सरकार कृतसंकल्पित होकर कार्य कर रही है और बजट वर्ष 2025-26 में विधि विभाग और न्यायालयों से संबंधित महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं। इनमें आठ नए जिला एवं सेशन न्यायालय, आठ वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय, चार अतिरिक्त जिला एवं सेशन न्यायालय, विशेष न्यायालय (पोक्सो एक्ट), तीन विशेष न्यायालय (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम), न्यायिक कार्यालय भवनों एवं आवास के लिए 350 करोड़ रुपये, नवीन न्याय संहिताओं की आवश्यकताओं हेतु कम्प्यूटर, कैमरों सहित विभिन्न सुविधाएं विकसित करने के लिए 100 करोड़ रुपये का प्रावधान शामिल है। उन्होंने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल के 150वें जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में अपराधों की रोकथाम के लिए 'सरदार पटेल सेंटर ऑफ साइबर कंट्रोल एंड वॉर रूम' की स्थापना के लिए भी 350 करोड़ रुपये की घोषणा की गई है।

उन्होंने कहा कि अच्छा वकील कानून का ज्ञाता होने के साथ ही समाज के कमजोर वर्ग की आवाज भी बनता है। वकील का पेशा गरीब और वंचित वर्ग की सेवा के लिए बड़ा अवसर होता है। उन्होंने कहा कि इस पेशे ने अनेक महान राष्ट्र निर्माता दिए हैं। संविधान के मुख्य शिल्पी बाबा साहेब अंबेडकर भी वकील थे। इस संविधान के लिए राष्ट्र उनका ऋणी है।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थी इस डिग्री को अपनी उपलब्धि के साथ एक महती जिम्मेदारी भी मानें। समाज में न्याय की रक्षा और प्रसार के लिए विद्यार्थियों को काम करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी न्याय व्यवस्था हजारों वर्ष पहले भी दुनिया में एक विशिष्ट पहचान रखती थी। इसका मूल यह था कि किसी भी पीड़ित के साथ अन्याय नहीं हो और सभी को न्याय मिले। उन्होंने कहा कि न्याय का शासन सुनिश्चित करने के लिए हमारे यहां दुनिया का सबसे बड़ा लिखित संविधान है। समय-समय पर जरूरत के अनुसार इसमें संशोधन हो रहे हैं तथा नए कानून भी बन रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के प्रयासों से तीन नए आपराधिक कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम लागू किए गए हैं। इनके माध्यम से आपराधिक न्याय प्रणाली को और अधिक पारदर्शी, त्वरित और प्रभावी बनाकर पीड़ितों को शीघ्र न्याय दिलाने की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने भी प्रदेश में नए कानूनों को लागू करने के लिए जरूरी कदम उठाए हैं और इनका समुचित कार्यान्वयन सुनिश्चित किया है। शर्मा ने उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह दिन एक यादगार क्षण है। इस विश्वविद्यालय से विद्यार्थियों ने जो ज्ञान और कौशल हासिल किया है, वह उनको आगे बढ़ने में मदद करेगा तथा विधि क्षेत्र में भी सकारात्मक बदलावों का वाहक बनेगा। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय देश में एक खास स्थान रखता है। कानून के क्षेत्र में यहां के विद्यार्थियों ने देश और विदेश में पहचान बनाई है।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए प्रतिबद्धता से काम कर रही है। प्रदेश में पारदर्शिता से भर्तियां हो रही हैं तथा पांच वर्ष में 10 लाख रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के संकल्प पर आगे बढ़ रहे हैं। आगामी वर्ष में 1.25 लाख सरकारी और 1.50 लाख निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएंगे। उन्होंने कहा कि युवाओं को प्रशिक्षण, इंटर्नशिप और रोजगार की योजनाओं के माध्यम से समुचित अवसर प्रदान करने के लिए 'राजस्थान रोजगार नीति-2025' भी लाई जा रही है।

इस अवसर पर सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश संदीप मेहता, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश मनिन्द्र मोहन श्रीवास्तव, विधि एवं न्याय मंत्री जोगाराम पटेल, राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधीश डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह भाटी, दिनेश मेहता, जनप्रतिनिधिगण, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. हरप्रीत कौर सहित शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

भजनलाल को सुशासन के लिए रखने चाहिए अनुभवी सलाहकार : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने राज्य सरकार पर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाएं बिगड़ जाने का आरोप लगाते हुए कहा है कि सुशासन के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को अनुभवी एवं अच्छे सलाहकार रखना चाहिए ताकि राज्य में लोगों की समस्याओं पर ध्यान दिया जा सके। गहलोत शनिवार को यहां जोधपुर में मीडिया से बातचीत में यह बात कही। उन्होंने सुझाव देते हुए कहा कि शर्मा को

आवश्यकता है अच्छे एडवाइजर की। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अंदर बड़े पुराने लोग बैठे हैं , चुनाव जीत नहीं पाए होंगे मान लो, कभी सांसद रहे होंगे, विधायक रहे होंगे, मंत्री रहे होंगे, चुनाव जीतना अलग बात है , उनके अनुभव का लाभ क्यों नहीं ले रहे हैं वो। उन्होंने कहा अनुभव का कोई विकल्प नहीं होता मैं बार बार कह रहा हूं। वरना वो, मैं समझता हूं कि गुड गवर्नेंस की बात तो छोड़ो, राजस्थान के अंदर त्राहि त्राहि मची हुई है। शिक्षा, स्वास्थ्य में, अंग्रेजी मीडियम पर कमेटी बना दी, क्रांतिकारी काम है वो, हमारे गांव के बच्चे, किसानों, दलितों , पिछड़ों के बच्चे इंग्लिश पढ़ रहे है बोल रहे है वो कहां जालये, कोई सोच नहीं सकता। उन्होंने कहा कि सरकार ने सुविधा दी उनको, उसको बंद करने के लिए कमेटी बन रही है । जिले बंद कर ही दिए तो राजस्थान में

यह स्थिति बड़ी विकट है। इसलिए मुख्यमंत्री को चाहिए कि वो अविलंब अपने एडवाइजर घोषित करें। उन्होंने कहा मैने बनाए थे मेरे एडवाइजर, मैं तीन बार का मुख्यमंत्री था तब भी मैंने एडवाइजर बना दिए तो ये तो पहली बार जीत के आए हैं भई, एमएलए बने हैं और इनको मौका मिला मुख्यमंत्री बनने

का तो इनको चाहिए कि अच्छे एडवाइजर रखें। उन्होंने कहा कि शर्मा को जीवन में बहुत बड़ा अवसर मिला है कि प्रथम बार एमएलए बने और वो मुख्यमंत्री बन गए, ऐसा बहुत कम होता है। अगर उनकी पार्टी ने उनको मौका दिया है तो उनको चाहिए कि सलाहकार अच्छे रखें जो अनुभवी हो। गहलोत ने कहा उन्होंने जिले समाप्त कर दिए, हमनें कहा और अधिक जिले बनाने की गुंजाइश है राजस्थान के अंदर। मेरे पास पूरे आंकड़े हैं कि गुजरात के अंदर मध्य प्रदेश के अंदर जो हमसे कम आबादी के एरियाज हैं वो जिले बने वहां पर। हमारे से कम आबादी के भी बने हैं। तो यहां और जिले बनाने की गुंजाइश थी जिससे की प्रशासनिक दृष्टिकोण से जनता को दूर नहीं जाना पड़े। दिन भर जाते हैं सौ किलोमीटर डेढ़ सौ दो सौ किलोमीटर,ढाई सौ किलोमीटर , ढाई सौ किलोमीटर जाएगा आदमी और उस दिन मान लीजिए कोई कारण से अधिकारी नहीं मिला उनको, कलेक्टर नहीं मिला, एसपी नहीं मिला ,एडीएम नहीं मिला,वापस जाता है अपने घर पे, कहां रहे रात को, तो अगर प्रशासनिक दृष्टिकोण से तहसील खुलती है तो लोग खुश होते हैं तहसील खुल गई है दूर नहीं जाना पड़ेगा।जिले बनाना किसे कहते हैं, उन जिलों को समाप्त कर दिया गया, कोई कारण नहीं। अधिक जिले बनने चाहिए थे। उसी प्रकार से नगर निगम दो बनाई गईं, जिले भी हममें बनाए देहात और शहर अलग बनाए थे। इतने बड़े जिले हो गए आजकल वो तमाम जिले के लोग आते हैं बार बार जाना पड़ता है वापस उनको। वो भी खत्म कर दिए हैं।

उन्होंने कहा कि दो नगर निगम को एक कर दो, जिले बनाए थे वो खत्म कर दो, तो फिर यह सरकार क्या काम कर रही है, सुशासन कैसे देगी। सुशासन का मतलब इनको समझना पड़ेगा कि सुशासन किसे कहते हैं और वो इसलिए मैने कहा अनुभवी लोगों की जरूरत है इस सरकार के अंदर। मैं मुख्यमंत्री की आलोचना नहीं करना चाहता क्योंकि उनको एक मौका मिला है पहली बार एमएलए कोई बने और मुख्यमंत्री बन जाए बहुत रेयर होता है ,जो इनको मौका मिल गया है। अब राजस्थान में हम लोग रहते हैं, राजस्थानवासियों का भला तब होगा तब अनुभव के साथ सुशासन होगा , तब जाकर राजस्थानवासियों का भला होगा।

विधानसभा सदन में कांग्रेस विधायकों का धरना जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के एक मंत्री द्वारा विधानसभा में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के संदर्भ में 'अनुचित शब्द' का इस्तेमाल किए जाने को लेकर विपक्षी कांग्रेस व सरकार के बीच गतिरोध जारी है। कांग्रेस के विधायकों ने सदन में अपना धरना रविवार को भी जारी रखा। कांग्रेस विधायक शुक्रवार शाम सदन की कार्यवाही स्थगित होने के बाद से ही धरने पर बैठे हैं। उन्होंने शुक्रवार व शनिवार की रात सदन में ही गुजारी। कांग्रेस की मांग है कि 'अनुचित टिप्पणी' को कार्यवाही से हटाया जाए और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सहित छह विधायकों का निलंबन वापस लिया जाए।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने रविवार को कहा कि मांगें पूरी नहीं होने तक धरना जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि सरकार खुद गतिरोध खत्म नहीं करना चाहती और मंत्रियों ने औपचारिकता पूरी करने के लिए विधानसभा में आंदोलनकारी कांग्रेस विधायकों से बातचीत की है। राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम और संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने शनिवार रात कांग्रेस के वरिष्ठ विधायकों से मुलाकात की, लेकिन बातचीत बेनतीजा रही। शुक्रवार रात को भी मंत्रियों ने जूली और अन्य वरिष्ठ विधायकों से वार्ता की थी।

उल्लेखनीय है कि मंत्री अविनाश गहलोत ने शुक्रवार को प्रश्नकाल के दौरान कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावास संबंधी प्रश्न का उत्तर देते समय विपक्ष की ओर इशारा करते हुए कहा था, 2023-24 के बजट में भी आपने हर बार की तरह अपनी 'दादी' इंदिरा गांधी के नाम पर इस योजना का नाम रखा था।

कांग्रेस के विधायकों ने इस पर आपत्ति जताई। हंगामे और कांग्रेस विधायकों की नारेबाजी के बीच सदन की कार्यवाही तीन बार स्थगित करनी पड़ी। उसी दिन शाम सदन में अशोभनीय एवं निंदनीय आचरण करने के लिए विधायक गोविंद सिंह डोटासरा, रामकेश, अमीन कागजी, जाकिर हुसैन, हाकम अली और संजय कुमार को बजट सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित करने का प्रस्ताव पारित किया गया।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग द्वारा रखे गए इस आशय के प्रस्ताव के पारित होने की घोषणा की। इसके बाद सदन की कार्यवाही 24 फरवरी तक के लिए स्थगित कर दी गई और कांग्रेस विधायक सदन में धरने पर बैठ गए। कांग्रेस पार्टी द्वारा इस मुद्दे को लेकर शनिवार को सभी जिला मुख्यालयों पर भारतीय जनता पार्टी सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया।

जूली ने रविवार को विधानसभा के बाहर पत्रकारों से कहा कि सरकार नहीं चाहती कि गतिरोध टूटे। उन्होंने कहा, हमने पहले दिन ही कहा था कि हम इस मुद्दे को खत्म करने के लिए तैयार हैं। हमारी मांग की है कि मंत्री द्वारा व्यंग्यात्मक लहजे में की गई टिप्पणी को हटाया जाए और हमारे छह विधायकों का निलंबन वापस लिया जाए। लेकिन पूरी भाजपा मंत्री को यह कहकर बचाने में लगी है कि उन्होंने जो कहा वह सही है।

उन्होंने कहा,संसदीय लोकतंत्र में यह ठीक नहीं है। यहां लड़ाई वैचारिक है, लेकिन सत्ताधारी पार्टी हठ और अहंकार से भरी हुई है और गतिरोध को खत्म करने का केवल दिखावा कर रही है। सरकार खुद सदन नहीं चलाना चाहती, क्योंकि अगर सदन चलेगा तो राज्य के बजट पर चर्चा होगी। चूंकि बजट में कुछ नहीं था, इसलिए सत्ताधारी पार्टी को डर है कि विपक्षी विधायक बजट की पोल खोल देंगे। इसी डर से सरकार जानबूझकर गतिरोध बनाए रखना चाहती है।

बजटीय घोषणाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन हो सुनिश्चित-जिला प्रभारी मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जल संसाधन मंत्री एवं जिला प्रभारी मंत्री श्री सुरेश सिंह रावत ने बजट घोषणा 2025-26 के क्रियान्वयन को लेकर रविवार को भरतपुर कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने कहा कि हमारे गत वर्ष की बजट घोषणाऐं धरातल पर क्रियान्वयन हो रही हैं। वर्तमान बजट विकसित राजस्थान 2047 विजन को ध्यान में रखते हुये पेश किया गया है। उन्होंने बजटीय घोषणाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी समर्पण-निष्ठा के साथ राज्य सरकार की घोषणाओं एवं लक्ष्यों को तय समय में पूरा करें।

उन्होंने कहा कि गुड गवर्नेंस का मॉडल स्थापित करके आमजन की सेवा करना राज्य सरकार का प्रमुख ध्येय है। बजटीय घोषणाओं के क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर कार्यवाही लंबित नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि घोषणाओं के क्रियान्वयन में आने वाली व्यावहारिक बाधाओं को चिन्हित कर उनका त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने बजट घोषणा वर्ष 2025-26 के संबंध में भूमि आवंटन, उपलब्धता एवं चिन्हीकरण की स्थिति पर चर्चा करते हुए उन्होंने इस कार्य को प्राथमिकता के आधार पर किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बजट घोषणाओं का क्रियान्वयन सरकार की प्राथमिकता में है और प्रदेश स्तर पर इसकी नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है। बैठक में उन्होंने आगामी बजट 2025-26 के लिए विद्युत, जल, बिजली, सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन और परिवहन से जुड़े कई अहम सुझाव भी दिए।

सरकार विकसित राजस्थान के संकल्प को पूरा करने की ओर अग्रसर : मीणा

उदयपुर। राजस्थान के राजस्व एवं उपनिवेशन मंत्री हेमन्त मीणा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार विकसित राजस्थान के संकल्प को पूरा करने की ओर अग्रसर है। उदयपुर जिले के प्रभारी मंत्री मीणा रविवार को यहां बजट घोषणाओं की क्रियान्विति को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक के उपरान्त पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि राज्य बजट बजट 2025-26 में जहां एक तरह ढांचागत विकास पर फोकस किया गया है, वहीं दूसरी ओर प्रत्येक वर्ग के हितों का भी ध्यान रखा है। प्रदेश के पारिस्थितिकी तंत्र को संरक्षित और सवंर्धित करने को भी प्राथमिकता दी गई है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में पूर्व में आयोजित भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक की समस्या रही, लेकिन हमारी सरकार ने इस पर पूर्ण अंकुश लगाया है। आगामी समय में एक लाख से अधिक पदों पर विभिन्न भर्ती परीक्षाएं होनी हैं। युवा भ्रमित नहीं हो, पूरी मेहनत करें। सरकार की ओर से आश्वस्त करता हूं कि सभी परीक्षाएं पारदर्शिता के साथ आयोजित होंगी।

प्रभारी मंत्री ने बजट में उदयपुर को मिली सौगातों का जिक्र करते हुए कहा कि उदयपुर के ऋषभदेव सहित दक्षिणी राजस्थान के महत्पवूर्ण धार्मिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक केंद्रों को शामिल करते हुए 100 करोड़ की लागत से ट्राइबल टूरिस्ट सर्किट विकसित किया जएगा। उदयपुर शहर में जलपूर्ति के सर्विस लेवल, सप्लाई अंतराल व प्रेशर में सुधार संबंधी कार्य होंगे। उदयपुर में इंस्टीट्यूट ऑफ माइंस की स्थापना की जाएगी। इसके अलावा ढांचागत विकास, स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती देने, पर्यटन विकास, शैक्षिक उन्नयन, खेल सहित सभी क्षेत्रों में उदयपुर में अभूतपूर्व सौगातें मिली हैं।

लाखों की संख्या में कुर्जा सहित प्रवासी प्रक्षी लौटने लगे अपने देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। अपनी ध्वनि, उड़ान और अठखेलियों से सात महीने पश्चिमी राजस्थान के तालाबों में हजारों किमी से उड़ कर आने वाली लाखो की तादात में डेमोस्लाइन क्रेन (कुर्जा) बर्ड्स एवं अन्य प्रवासी पक्षी गर्मियों की दस्तक के साथ अपने देशों की तरफ लौटने लगे है। इन दिनों जैसलमेर के आकाश में लौटती हुई (डेमोस्लाइन क्रेन) कुरजा के झुंड आकाश में उड़ती हुए देखे जा सकते हैं। पक्षी विशेषज्ञों के अनुसार प्रवासी एवं स्थानीय पक्षियों का ब्रीडिंग सीजन स्टार्ट हुआ है तथा कुरजा सहित कई प्रवासी पक्षी अपने देशों के साथ ब्रीडिंग ग्राउंड लिये रवाना हो गई है तो कई स्थानीय बर्डस द्वारा ब्रीडिंग के लिए नेस्टिंग शुरू कर दी है।

पक्षी पर्यवरण प्रेमी राधेश्याम पेमानी ने बताया कि मानसून की बारिश के बाद सितम्बर माह में ठंडे मुल्कों से उड़कर हजारों किमी का सफर तय करके पश्चिमी राजस्थान के जैसलमेर ,फलौदी, रामदेवरा के साथ गुजरात के

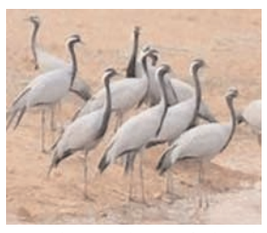

कच्छ के तालाबों पर पहुँचने वाले यह पक्षी सर्दियों का मौसम एक तालाब से दूसरे तालाब पर पड़ाव डालकर बिताते हैं। अब वापस अपने देशों के लिए उड़ान भरना शुरू कर दी है।

उन्होंने बताया कि गर्मियों में यह पक्षी मंगोलिया, मध्य एशिया, दक्षिणी रूस एवं पूर्वी यूरोप के ठंडे घास मैदानों में प्रजनन करने और चूजों को पालने में समय व्यतीत करते हैं।

अगस्त तक चूजों के बड़े हो जाने के बाद और सर्दियों की शुरुआत से पहले यह पक्षी वापिस भारत की तरफ उड़ान भर लेते हैं। जैसलमेर जिले के वन्यजीव प्रेमी सुमेरसिंह भाटी ने बताया देगराय, खेतोलाई, फतेहगढ़, छोड़, भीखसर, डेलासर, बडोडा गाँव, नेतसी क्षेत्रों में सर्दियाँ बिताने के बाद अब यह कुरन्जा अगले सितम्बर वापिस आने के वादे के साथ विदाई लेने लगी है। तथा आकाश में इन्हें लौटते हुए देखा जा सकता है

उधर जैसलमेर के बर्डवॉचर पार्थ जगाणी ने बताया विभिन्न देशों से होकर भारत में सर्दियाँ बिताने आने वाले इन मेहमान पक्षियों की सुरक्षा पर भारत सरकार को कड़े कदम उठाने चाहिए क्योंकि बड़ी संख्या में प्रवासी पक्षी एवं वल्चर की मृत्यु ओरण गोचर क्षेत्र में लगे हुए हाईटेंशन लाइनो से टकराने से हुई है। इस बार बड़ी संख्या में वल्चर की डेथ हाई टेंशन की वायरों से टकराने से हुई है।

राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा की तैयारियों को लेकर बैठक का हुआ आयोजन

जयपुर/दक्षिण भारत। जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन आगामी 27 एवं 28 फरवरी को आयोजित होने वाली राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा (रीट-2024) के सफल आयोजन की तैयारियों में जुटा है। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी एवं पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसेफ ने रविवार को परीक्षा के आयोजन को लेकर जयपुर के एक निजी विद्यालय के सभागार में बैठक ली। बैठक में समस्त केंद्र अधीक्षकों, अतिरिक्त केंद्र अधीक्षकों, प्रश्न पत्र समन्वयकों, ओएमआर समन्वयकों को सफल बनने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये।

बैठक में अधिकारियों को परीक्षा के आयोजन में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने की सख्त हिदायत दी गई।

बैठक के पश्चात जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी एवं पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसेफ ने स्ट्रांग रूम का दौरा किया एवं सुरक्षा सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने एवं समस्त आवश्यक इंतजाम दुरुस्त रखने के निर्देश दिये। जिला परीक्षा संचालन समिति के नोडल अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर (पूर्व) गोपाल सिंह शेखावत ने जानकारी दी कि परीक्षा के आयोजन के दौरान पेपर लीक एवं नकल सहित अन्य प्रकार की विधि विरुद्ध गतिविधियों में संलिप्त आरोपियों के खिलाफ राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम के कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

महाकुंभ में अब तक 62 करोड़ श्रद्धालुओं का पहुंचना सदी की एक दुर्लभतम घटना : मुख्यमंत्री योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आगरा/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि प्रयागराज के महाकुंभ में अब तक 62 करोड़ श्रद्धालु आ चुके हैं और एक निश्चित समयावधि के दौरान इतनी बड़ी संख्या में लोगों का एकत्र होना अपने आप में सदी की दुर्लभतम घटनाओं में से एक है। आगरा में यूनिकॉर्न कंपनीज कॉन्क्लेव' (यूनिकॉर्न कंपनियों का सम्मेलन) में मुख्यमंत्री योगी ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा, मैं इसे स्टार्टअप की दुनिया का यूनिकॉर्न महाकुंभ कह सकता हूं। इस समय महाकुंभ के प्रति आकर्षण है।

उन्होंने कहा, मेरे लिए यह महत्वपूर्ण है। आज जब मैं ब्रज भूमि में आया हूं जिसके पीछे आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि रही है। लंबे काल खंड से इसने भारत की सभ्यता और संस्कृति को प्रभावित किया है।' योगी ने कहा कि कल ही प्रयागराज से आया और आज इस सम्मेलन' के बाद उन्हें पुन: प्रयागराज पहुंचना है। मुख्यमंत्री योगी ने महाकुंभ में इस बार आने वाले श्रद्धालुओं की चर्चा करते हुए कहा कि प्रयागराज महाकुंभ में अब तक 62 करोड़ श्रद्धालु आ चुके हैं। योगी ने कहा, मुझे लगता है कि दुनिया के अंदर किसी भी आयोजन (चाहे वह आध्यात्म से जुड़ा हो या किसी भी तरह के पर्यटन से संबंधित हो) में एक निश्चित कालखंड के दौरान इतनी बड़ी संख्या में लोगों का एकत्र होना और उस आयोजन के साथ एकजुट होना, अपने आप में सदी की दुर्लभतम घटनाओं में से एक है।

इस पर खुशी जाहिर करते हुए उन्होंने कहा कि उप्र में उनकी सरकार को इसे आयोजित करने का अवसर प्राप्त हो रहा है। मुख्यमंत्री और प्रसिद्ध गोरक्षपीठ के महंत योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब कुंभ की बात करते हैं तो कुंभ का इतिहास हमें इस बात पर सोचने के लिए मजबूर करता है कि भारत में प्राचीन काल से इस तरह के आयोजन की व्यवस्था थी। योगी ने कहा कि यह सोचा गया होगा कि जब एक समय ऐसा भी आएगा कि भारत का व्यक्ति अपनी परंपरा और अपनी संस्कृति से कटा हुआ महसूस करेगा तो उन्हें जोड़ने का कुंभ माध्यम बनेगा। उन्होंने कहा कि उप्र के प्रयागराज, उत्तराखंड के हरिद्वार, मध्यप्रदेश के उज्जैन और महाराष्ट्र के नासिक (त्र्यंबकेश्वर) समेत कुल चार पवित्र स्थानों पर कुंभ का आयोजन होता है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने कहा, उत्तर प्रदेश के युवा नौकरी देने वाला बनने पर ध्यान दें। पहले उप्र में अवसर नहीं थे, लेकिन प्रतियोगी छात्रों ने आइडिया' पर काम किया है। जो पहले टेक्नोलॉजी में आगे थे, वह स्टार्टअप में भी आगे हैं। योगी ने तारीफ करते हुए कहा कि विकास के इंजन के तौर पर युवाओं ने प्रेरणा के रूप में काम किया है। हर क्षेत्र में बहुत बड़ी उपलब्धि हासिल की जा सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा, 2019 में बुंदेलखंड प्रवास के दौरान पांच महिलाएं मेरे पास आईं। उन्होंने नौकरी की मांग की, किसी ने बताया कि वे पांचवीं पास हैं। योगी ने कहा, इस पर राज्य सरकार ने पहल करते हुए दुग्ध उत्पादक संगठन' का गठन किया गया,उनको प्रशिक्षण दिलाया और फिर कार्य प्रारंभ कराया गया।

महाकुंभ में ओड़िशा के मुख्यमंत्री समेत कई नेताओं ने संगम में किया स्नान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुं भनगर/भाषा। उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी, भाजपा के नेता संबित पात्रा और सूफी गायक कैलाश खेर ने रविवार को महाकुंभ के संगम में डुबकी लगाई।

यहां जारी एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सिंह ने कहा, मैं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और सभी अधिकारियों को बेहतरीन व्यवस्थाओं के लिए बधाई देता हूं... यह क्षण शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता, इसे केवल महसूस किया जा सकता है। वहीं, ओड़िशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी भी प्रयागराज पहुंचे। उन्होंने कहा, मैं अपने परिवार के साथ यहां आया हूं। व्यवस्थाएं बहुत अच्छी हैं। मैं उत्तर प्रदेश सरकार को धन्यवाद देता हूं। लाखों श्रद्धालु पवित्र स्नान के लिए आ रहे हैं। भाजपा नेता संबित पात्रा ने त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाई और कहा, यह पुण्य का क्षण है।

संभल में सुरक्षा के लिए 12% स्थानों पर लगाये जाएंगे 300 सीसीटीवी कैमरे

संभल/भाषा। संभल में पिछले साल हुई हिंसक घटनाओं को लेकर प्रशासन शहर की सुरक्षा के लिए संवेदनशील क्षेत्रों सहित 12% स्थानों पर 300 क्लोज सर्किट टेलीविजन' (सीसीटीवी) कैमरे लगाने जा रहा है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। नगरपालिका के अधिशासी अधिकारी (ईओ) मणि भूषण तिवारी ने बताया कि 15वें वित्त आयोग के अनुदान के तहत दो करोड़ रुपये के सीसीटीवी कैमरे निगरानी के लिए शहर भर में लगाये जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले साल 24 नवंबर को संभल के कोट गर्वी इलाके में मुगलकालीन जामा मस्जिद के सर्वेक्षण के दौरान हिंसा भड़क गई जिसमें गोली लगने से चार लोगों की मौत हो गयी और कई अन्य घायल हो गए। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन ने सुरक्षा सुनिश्चित करने और भविष्य में होने वाली किसी भी घटना पर प्रभावी ढंग से निगरानी रखने के लिए इस योजना का प्रस्ताव रखा है।

तिवारी ने कहा कि पहले से स्थापित सीसीटीवी कैमरों ने उपद्रवियों पर नजर रखने और उनकी पहचान करने में महत्वपूर्ण सहायता की है। अधिकारी ने कहा कि शहर भर में 12% स्थानों पर नए सीसीटीवी कैमरे सुरक्षा और निगरानी को मजबूत करेंगे और इससे यातायात प्रबंधन, कानून प्रवर्तन और सार्वजनिक सुरक्षा में वृद्धि होने की उम्मीद है, खासकर झपटमारी को रोकने और महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। कैमरे प्रमुख प्रवेश और निकास बिंदुओं, संवेदनशील क्षेत्रों और प्रमुख चौराहों पर लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि वॉयस कंट्रोलर' को सिस्टम में एकीकृत किया जाएगा।

उन्होंने कहा, कैमरों के नियंत्रण और निगरानी के काम का संचालन दो केंद्रीकृत नियंत्रण कक्षों के माध्यम से किया जाएगा। एक कक्ष से संचालन अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) की देखरेख में होगा, जबकि दूसरे कक्ष का संचालन पुलिस,नगर निगम के अधिकारियों और रखरखाव के लिए जिम्मेदार एजेंसी द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा। तिवारी ने बताया कि यह परियोजना शुरू हो गई है और पूर्ण कार्यान्वयन में दो से तीन महीने लगने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि एक बार काम पूरा होने पर संभल भर की गतिविधियों पर नजर रखी जा सकेगी।

परिवारवाद से देश का भला नहीं हो सकता : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने रविवार को विपक्षी समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि परिवारवाद तथा तुष्टीकरण की राजनीति करने वाले कभी प्रदेश और देश का भला नहीं कर सकते। मौर्य ने एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, जो सिर्फ परिवारवाद और तुष्टीकरण की राजनीति करते हैं, वो कभी प्रदेश और देश का भला नहीं कर सकते। उन्होंने कहा, विकसित भारत और विकसित यूपी बनने तक कमल की आँधी जारी रहेगी। न अखिलेश, न राहुल गांधी--देश की जनता को अब सिर्फ मोदी और भाजपा पर भरोसा है। मौर्य ने कहा 2024 हो या 2029, विकास और आत्मनिर्भरता की राह पर भारत आगे बढ़ता रहेगा।

सभी राजनीतिक दलों को बंगाल में एनआरसी लागू करने का समर्थन करना चाहिए : अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने रविवार को कहा कि घुसपैठ जैसे मुद्दों से प्रभावी ढंग से निपटने और जनसांख्यिकी में बदलाव' से बचने के लिए सभी राजनीतिक दलों को पश्चिम बंगाल में राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) लागू करने का समर्थन करना चाहिए।

पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता ने यहां संवाददाताओं से कहा कि भाजपा शासित राज्य राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) लागू करने के पक्ष में हैं, लेकिन पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस सरकार का इससे इनकार करना, हैरान करने वाला है और यह घुसपैठ रोकने के प्रति उनकी उदासीनता को दर्शाता है। उन्होंने कहा, देखिए कि अंसारुल्ला बांग्ला जैसे बांग्लादेशी आतंकवादी संगठन बंगाल के जिलों में कैसे अपना आधार फैला रहे हैं।

देखिए कि कैसे जनसांख्यिकी बदल रही है, खासकर सीमावर्ती जिलों में। पुलिस और राज्य प्रशासन क्या कर रहे हैं, वे आंखें फेरे हुए बैठे हैं। उन्होंने कहा कि एनआरसी के सख्त कार्यान्वयन से ही घुसपैठियों'' को बाहर निकाला जा सकता है और विध्वंसक गतिविधियों को अंजाम देने वाले जिहादी तत्वों' का पता लगाया जा सकता है। अधिकारी ने कहा, सभी राजनीतिक दलों को एनआरसी का समर्थन करना चाहिए। 2026 के विधानसभा चुनावों में जब भाजपा सत्ता में आएगी, तो हम बंगाल में एनआरसी लागू करेंगे।

अधिकारी ने नकारात्मक टिप्पणी करके और हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुँचाकर महाकुंभ जैसे पवित्र आयोजन का अपमान'' करने के लिए सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस की भी आलोचना की। तृणमूल कांग्रेस महासचिव कुणाल घोष ने कहा कि अधिकारी जैसे नेता एनआरसी के मुद्दे पर जोर दे रहे हैं जिसका उद्देश्य राजनीतिक कारणों से समाज का ध्रुवीकरण करना है। घोष ने कहा, एनआरसी वास्तविक नागरिकों को शिविरों में भेज देगा और समाज के एक वर्ग को अलग-थलग कर देगा। हम ऐसा नहीं होने देंगे।

साढ़े लाख से अधिक श्रद्धालु डिजिटल अनुभूति केन्द्र पहुंचे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभ नगर/भाषा। आस्था और आध्यात्म के महापर्व महाकुंभ की डिजिटल अनुभूति कराने के लिए सेक्टर चार में स्थापित डिजिटल अनुभूति केंद्र में 3.5 लाख से अधिक लोगों का आगमन हुआ है। सरकार द्वारा जारी बयान के मुताबिक, डिजिटल अनुभूति केंद्र ने महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं को एआई, वर्चुअल रियलिटी व होलोग्राम की आधुनिकतम तकनीकी से सनातन आस्था की प्राचीनतम पौराणिक गाथाओं और मान्यताओं से परिचित करवाया।

बयान के मुताबिक, महाकुंभ के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू व भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांग्चुक समेत अब तक लगभग 3.5 लाख से अधिक श्रद्धालु डिजिटल अनुभूति केंद्र के साक्षी बने। इसके अनुसार, इस अनुभूति केंद्र से लगभग 1.%5 करोड़ रुपये के राजस्व की प्राप्ति भी हुई। बयान में कहा गया है कि युवा पीढ़ी और विदेशी पर्यटकों को देश की प्राचीन सनातन संस्कृति से परिचित करवाने में डिजिटल अनुभूति केंद्र ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नौ जनवरी को अनुभूति केंद्र के उद्घाटन पर इसे आस्था और आधुनिकता का संगम कहा था।

केंद्रीय टीम ने एमएसपी गारंटी पर किसानों से आंकड़ों का विवरण मांगा, अगली बैठक 19 मार्च को होगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। केंद्र की एक टीम ने शनिवार को प्रदर्शनकारी किसानों के साथ हुई नये दौर की वार्ता के दौरान एमएसपी की कानूनी गारंटी की मांग के समर्थन में किसानों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों का विवरण मांगा ताकि इस मुद्दे पर विशेषज्ञों के साथ चर्चा की जा सके। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि किसान नेताओं के साथ बैठक सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई और अगले दौर की वार्ता 19 मार्च को चंडीगढ़ में होगी।

प्रदर्शनकारी किसानों और चौहान के नेतृत्व वाली केंद्रीय टीम के बीच शनिवार शाम को नए दौर की वार्ता हुई, जिसमें फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के लिए कानूनी गारंटी सहित किसानों की विभिन्न मांगों पर चर्चा की गई। केंद्र की ओर से केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी और पीयूष गोयल भी बैठक में शामिल हुए। बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए चौहान ने कहा कि किसानों के साथ चर्चा सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई। चौहान ने बताया कि केन्द्रीय दल ने बैठक के दौरान किसानों के समक्ष किसान कल्याण कार्यक्रम को रखा, जो नरेन्द्र मोदी सरकार की प्राथमिकता है। लगभग तीन घंटे तक चली बैठक के बाद मंत्री ने कहा, हमने किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल और सरवन सिंह पंधेर के विचार सुने। बहुत अच्छी चर्चा हुई। चर्चा जारी रहेगी और अगली बैठक 19 मार्च को चंडीगढ़ में होगी। चौहान ने हालांकि मीडिया के किसी सवाल का जवाब नहीं दिया। इससे पहले चौहान और जोशी शाम छह बजकर पांच मिनट पर 28 सदस्यीय किसान प्रतिनिधिमंडल से मिलने के लिए बैठक स्थल महात्मा गांधी लोक प्रशासन संस्थान पहुंचे। बैठक में पंजाब के कैबिनेट मंत्री हरपाल सिंह चीमा, गुरमीत सिंह खुड्डियां और लाल चंद कटारूचक भी मौजूद थे।

जगजीत सिंह डल्लेवाल और सरवन सिंह पंढेर समेत किसानों का प्रतिनिधिमंडल पहले ही बैठक स्थल पर पहुंच गया था। बैठक के बाद किसान नेताओं ने कहा कि उन्होंने फसलों पर एमएसपी के लिए कानूनी गारंटी की अपनी मांग के समर्थन में तथ्य प्रस्तुत किए। किसान नेता अभिमन्यु कोहाड़ ने दावा किया, अगर सरकार की नीति और नीयत साफ है तो 25,000-30,000 करोड़ रुपये प्रति वर्ष के अनुमानित व्यय से एमएसपी के लिए कानूनी गारंटी दी जा सकती है।

संभल में शाही जामा मस्जिद की सफाई और सजावट केलिए प्रबंधन ने एएसआई से मांगी अनुमति

संभल/भाषा। संभल की शाही जामा मस्जिद के प्रबंधन ने रमजान के पवित्र महीने से पहले मस्जिद की सफाई, पेंटिंग और सजावट के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) से अनुमति मांगी है। जामा मस्जिद समिति के सदर (अध्यक्ष) जफर अली ने पत्रकारों को बताया कि सफाई और सजावट के लिए मंजूरी का अनुरोध करते हुए एएसआई को एक औपचारिक पत्र भेजा गया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एएसआई की ओर से बिना किसी आपत्ति के सदियों से मस्जिद की सफाई और सजावट की जाती रही है। हालांकि, शहर में शांति और सद्भाव बनाए रखने के लिए एहतियात के तौर पर समिति ने इस बार आधिकारिक अनुमति लेने का फैसला किया है।

अली ने स्पष्ट किया कि अतीत में कानूनी तौर पर कोई आपत्ति नहीं उठाई गई है, लेकिन 2018 में सार्वजनिक सुविधा के लिए ग्रिल लगाने के संबंध में एक मुद्दा सामने आया था, जिसे पिछली समिति ने संभाला था।

यूएसएड विवाद : कांग्रेस ने कहा, ट्रंप केबार-बार भारत का अपमान करने पर प्रधानमंत्री चुप क्यों हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अंतरराष्ट्रीय विकास के लिए अमेरिकी एजेंसी (यूएसएड) के अनुदान को लेकर जारी विवाद के बीच, कांग्रेस ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर अमेरिका से फर्जी खबरें फैलाकर राष्ट्र विरोधी कार्य करने का आरोप लगाया। विपक्षी दल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर को भी जवाब देना होगा कि जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अरबपति एलन मस्क बार-बार भारत का अपमान कर रहे हैं, तो सरकार चुप क्यों है। हालांकि, भाजपा ने कांग्रेस के ऐसे सभी आरोपों को खारिज किया है और राहुल गांधी को देशद्रोही'' करार देते हुए उनपर भारत को कमजोर करने की कोशिश में विदेशी ताकतों के साथ साठगांठ करने का आरोप लगाया है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, भाजपा झूठों और अनपढ़ों की बारात है। जिस 2.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर पर भाजपाई और चरणचुंबक उछल रहे थे, वो खबर तो फर्जी निकली। वर्ष 2022 में 2.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर, भारत में मतदान प्रतिशत बढ़ाने' के लिए नहीं, बल्कि बांग्लादेश के लिए थे। रमेश ने आरोप लगाया, एलन मस्क ने फर्जी दावा किया, ट्रंप को ढाका और दिल्ली के बीच गलतफहमी हुई, अमित मालवीय ने झूठ आगे फैलाया, फिर भाजपा के चरणचुंबकों ने उसे लपक लिया। उन्होंने कहा कि जबसे ट्रंप प्रशासन के सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) ने 16 फरवरी को कहा कि यूएसएड ने भारत में मतदान' के लिए 2.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर का अनुदान रद्द कर दिया है, तबसे भाजपा कांग्रेस पर मनगढ़ंत आरोप लगा रही है। लेकिन अब पता चल रहा है कि यह पूरी खबर तो फर्जी है। जब पैसा भारत आया ही नहीं, तो (अनुदान) रद्द कैसे होगा? कांग्रेस नेता ने कहा कि असल में सारा विवाद डीओजीई' की सूची में दो यूएसएड अनुदान को लेकर है, जिन्हें वाशिंगटन स्थित चुनाव एवं राजनीतिक प्रक्रिया सुदृढ़ीकरण समूह (सीईपीपीएस) के माध्यम से दिया गया था।

रमेश ने कहा कि सीईपीपीएस को यूएसएड से कुल 48.6 करोड़ अमेरिकी डॉलर मिलने थे। उन्होंने कहा कि अमेरिकी विभाग के अनुसार, इस कोष में मोल्दोवा के लिए 2.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर और भारत में मतदान प्रतिशत बढ़ाने'' के लिए 2.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर शामिल थे। कांग्रेस नेता ने दावा किया, यूएसएड ने मोल्दोवा के लिए सीईपीपीएस को पहला कोष 2016 में दिया था, जिसका आईडी एड11%एलए1600001' है। लेकिन भारत के लिए डीओजीई द्वारा चिह्नित यूएसएड का 2.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर का अनुदान बिल्कुल फर्जी है, क्योंकि यह बांग्लादेश के लिए था, भारत के लिए नहीं। रमेश ने कहा कि असलियत यह है कि बांग्लादेश के लिए आवंटित 2.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर में से 1.34 करोड़ अमेरिकी डॉलर वहां जनवरी 2024 के चुनाव के पहले ही दिया जा चुका है।

दबंगों ने दो दलित दुल्हन और बारातियों को पीटा, नहीं हुआ विवाह, पांच आरोपी गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मथुरा (उप्र)/भाषा। मथुरा जिले के रिफाइनरी थाना क्षेत्र के एक गांव में दबंगों ने मामूली विवाद पर अनुसूचित जाति (दलित) की दो दुल्हन व बारातियों के साथ कथित तौर पर मारपीट की जिससे बारात लेकर पहुंचे दूल्हे बिना विवाह किए ही लौट गए।

पुलिस ने रविवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने कहा कि अन्य आरोपियों की धर-पकड़ के लिए दबिश दी जा रही है।

पुलिस के अनुसार, रिफाइनरी थाना क्षेत्र के गांव करनावल निवासी एक व्यक्ति की दो बेटियों की शादी शुक्रवार रात को होनी थी। उनकी बारात जिले के ही गोवर्धन थाना क्षेत्र के गांव सामई खेड़ा (पूंछरी) से आई थी।

पुलिस ने बताया कि रात करीब साढ़े नौ बजे दोनों दुल्हन अपनी बुआ व फूफा के साथ ब्यूटी पार्लर से कार में बैठकर लौट रही थीं, तभी रास्ते में गौशाला' गांव के समीप करनावल के ही निवासी लोकेश, रोहताश और सतीश की बाइक से कार टच' हो गई।

पुलिस के मुताबिक, इस पर बाइक सवार युवकों ने कार चालक (दुल्हन के फूफा) से हाथापाई शुरू कर दी। यह देख दोनों दुल्हनों ने विरोध किया तो उन्हें व उनकी बुआ को भी कार से खींच लिया और उनकी पिटाई कर दी। आरोप है कि उनके मुंह पर कीचड़ भी फेंका। पुलिस ने बताया कि जब इसकी सूचना दुल्हन के परिजनों को मिली तो वे मौके पर पहुंच गए। कुछ बाराती भी उनके साथ हो लिए।

पुलिस ने कहा कि हमलावर युवकों ने भी अपने पक्ष के लोगों और परिजनों को बुला लिया और दोनों तरफ से मारपीट शुरू हो गई, जिसमें दुल्हन के पिता के सिर में चोट आईं और कई अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने कहा कि हमलावरों में से एक सतीश ट्रैक्टर-ट्रॉली में अपने अन्य साथियों को लेकर विवाह स्थल पर पहुंच गया और उसने वधू पक्ष के घर के बाहर खड़े दो वाहनों में टक्कर मारकर उन्हें क्षतिग्रस्त कर दिया। रिश्तेदारों ने उन्हें समझाने का प्रयास किया तो सभी को पीटना शुरू कर दिया। कुछ बारातियों ने बीच-बचाव की कोशिश की तो उन्हें भी पीटा।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि शनिवार की सुबह गांव में कई घंटे तक पंचायत हुई, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला। उन्होंने कहा कि पुलिस ने पीड़ित पिता की तहरीर पर लोकेश, सतीश, श्रीपाल, शिशुपाल, रोहताश, अजय, निशांत, ऊदल, ब्रजेश, दीपू, शुभम, पवन, बटुआ, अनिल और अमित समेत कई अज्ञात लोगों (सभी गांव गौशाला निवासी) के खिलाफ दंगा, घातक हथियारों से हमला, बंधक बनाने, छिनैती, हत्या का प्रयास, संपत्ति को नुकसान पहुंचाने, अपमान करने और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करने समेत कई गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया है। दूसरी ओर, इस घटना से डरी-सहमी बारात दुल्हनों को ब्याहे बिना लौट गई।

पुलिस व अन्य लोगों के लाख समझाने पर भी दूल्हे फेरे लेने तक के लिए तैयार नहीं हुए। रिफाइनरी थाना के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) सोनू कुमार ने बताया कि नामजद आरोपियों की तलाश में लगातार दबिश दी जा रही है।

मथुरा के नगर क्षेत्र के अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) डॉ. अरविंद कुमार ने बताया कि मामले के नामजद आरोपी रोहताश यादव सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है और अन्य की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

कुमार ने बताया कि फिलहाल, गांव में पूरी तरह शांति-व्यवस्था कायम है तथा गांव में एहतियातन किसी भी प्रकार की अन्य घटना को रोकने के लिए पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि दोषियों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा।

सुविचार

वक्त और किस्मत पर कभी घमंड ना करो, सुबह उनकी भी होती है जिनको कोई याद तक नहीं करता।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बढ़ता मोटापा: एक बड़ी चुनौती

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम में देशवासियों के स्वास्थ्य के समक्ष एक बड़ी चुनौती 'मोटापे' का जिक्र कर खानपान की आदतों में सुधार लाने के जो तौर-तरीके बताए हैं, वे अत्यंत प्रासंगिक हैं। पिछले दो दशकों में मोटापे की समस्या बहुत तेजी से बढ़ी है। स्वास्थ्य से ज्यादा स्वाद को प्राथमिकता देना और व्यायाम आदि न करना, जैसी आदतों ने बड़ा नुकसान पहुंचाया है। पहले, मोटापा महानगरीय जीवनशैली का नतीजा माना जाता था। अब गांवों में भी लोग इसका सामना कर रहे हैं। यही नहीं, कई स्कूली बच्चे इसकी चपेट में आ रहे हैं। बच्चों में खेलकूद के बजाय मोबाइल गेम ज्यादा लोकप्रिय हो रहे हैं। वे दूध, नींबू पानी, शर्बत आदि पीने से परहेज करते हैं, लेकिन बाजार में बिकने वाले शीतल पेय उन्हें बहुत आकर्षित करते हैं। अगर सोशल मीडिया पर सत्तर और अस्सी के दशक के वीडियो देखेंगे तो पाएंगे कि बहुत कम लोगों को मोटापा होता था। चूंकि तब स्कूल, कॉलेज और कार्यस्थल तक पहुंचने के लिए लोगों को काफी पैदल चलना होता था। अब घर-घर में वाहन हैं। इससे सुविधा तो खूब हुई है, लेकिन मोटापा बढ़ा है। कितने ही लोग ऐसे हैं, जो पिछले कई महीनों से लगातार एक किमी भी पैदल नहीं चले हैं। पैदल चलना अपनेआप में बहुत अच्छा व्यायाम होता है, जिसकी आदत कम होती जा रही है। भारत में मोटापा भविष्य में कितनी बड़ी चुनौती बन सकता है, इसका अंदाजा एक अध्ययन से लगाया जा सकता है, जिसका कहना है कि आज हर आठ में से एक व्यक्ति मोटापे की समस्या से परेशान है। यही नहीं, पिछले वर्षों में मोटापे के मामले दुगुने हो गए हैं। बच्चों में मोटापे की समस्या चार गुणा बढ़ गई है। प्रधानमंत्री ने भी 'मन की बात' में इस अध्ययन के निष्कर्षों को साझा किया है।

ये आंकड़े स्पष्ट बताते हैं कि अगर लोगों ने इस ओर ध्यान नहीं दिया तो भविष्य में मोटापे के मामलों में तेज बढ़ोतरी होना तय है। प्रधानमंत्री ने खाने के तेल में 10 प्रतिशत कमी लाने का जो तरीका बताया, वह भी अनूठा है। अगर इस पर अमल करेंगे तो तेल के उपभोग में निश्चित रूप से कमी आएगी। एक उपाय यह हो सकता है कि अपने स्वास्थ्य के लिए जागरूक ऐसे लोगों के लिए कंपनियां ही 10 प्रतिशत कम तेल का विकल्प उपलब्ध कराएं। वे उसके साथ स्वास्थ्य का ध्यान रखने संबंधी कोई अच्छा संदेश दे सकती हैं। तेल ही क्यों, नमक, चीनी, चाय समेत उन सभी चीजों के उपभोग में 10 प्रतिशत तक कमी लाने की कोशिश की जा सकती है, जिनकी ज्यादा मात्रा स्वास्थ्य के लिए ठीक नहीं है। कई लोग सब्जी में अतिरिक्त नमक डालकर खाते हैं। ब्रिटेन में हुए एक वैज्ञानिक शोध की मानें तो पके हुए भोजन में अलग से नमक मिलाकर खाने से स्वास्थ्य को बहुत नुकसान हो सकता है। शोध में 5 लाख लोगों को शामिल किया गया था। उसके नतीजे यूरोपियन हार्ट जर्नल में प्रकाशित किए गए थे, जिनमें बताया गया था कि जो लोग पके हुए भोजन में अलग से नमक डालकर खाते हैं, ऐसे हर 100 लोगों में से 3 लोगों की जीवन प्रत्याशा घट सकती है। अतिरिक्त नमक लेने वाले लोगों की जीवन प्रत्याशा उन लोगों से कम पाई गई, जो इस आदत से दूर हैं। शोध में यह भी बताया गया कि डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों के सेवन से परहेज करना चाहिए, क्योंकि उनमें नमक की मात्रा ज्यादा हो सकती है। लंबी अवधि तक ऐसे पदार्थों का सेवन करना किडनी और अन्य अंगों को नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए अपने खानपान पर नजर डालें और जिन पदार्थों की ज्यादा मात्रा नुकसानदेह है, उनके उपभोग को सीमित करें।

ट्वीटर टॉक

प्रदेश की सात प्रमुख सरकारी बिजली कंपनियों में निदेशक से लेकर प्रमुख पद इस सरकार में रिक्त हैं। इससे आमजन से जुड़े कार्य प्रभावित हो रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में आया है कि इन पदों को निहित स्वार्थों की पूर्ति के लिए राज्य सरकार द्वारा खाली रखा जा रहा है।

-अशोक गहलोत

आज जोधपुर में राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के 17वें दीक्षांत समारोह में सहभागिता कर प्रतिभाशाली युवा विधिवेत्ताओं को संबोधित किया। इस गौरवपूर्ण अवसर पर स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें मंगलकामनाएं प्रेषित कीं।

-भजनलाल शर्मा

रांची में भारतीय जनता पार्टी, झारखंड के आर्थिक प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित केंद्रीय बजट विषयक व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुआ। मोदी जी ने विकास से विकसित भारत तक की यात्रा का पथ तैयार कर दिया है, उनके विजन को विवरित करना गर्व का विषय है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

आज़ादी का जज्बा

पांच जुलाई 1943 के दिन सिंगापुर के टाउन हॉल मैदान में नेताजी सुभाषचन्द्र बोस ने पहली बार सुप्रीम कमांडर के रूप में युद्ध के लिए तैयार आज़ाद हिन्द फौज की सलामी ली। सलामी लेने के बाद वे बोले, 'हथियारों की ताकत और खून की क़ीमत से तुम्हें आज़ादी प्राप्त करनी है। राष्ट्रीय सुरक्षा प्रणाली को हमें ऐसी मजबूत बुनियाद पर खड़ा करना होगा कि इतिहास में फिर कभी हमें अपनी स्वतंत्रता न खोनी पड़े।' बोस ने कहा, 'अगर तुम मृत्यु पथ पर मेरा अनुसरण करोगे तो मैं तुम्हें विजय और स्वाधीनता तक ले जाऊंगा। मेरे वीरो! तुम्हारा युद्धघोष होना चाहिए 'दिल्ली चलो! दिल्ली चलो!' अंत में हम जीतेंगे, और जब तक हमारे बचे हुए योद्धा दिल्ली के लाल क़िले पर परचम नहीं लहराते, हमारा मकसद पूरा नहीं होगा।' इस भाषण ने फौज के हर सैनिक में देशप्रेम की भावना को बलवती कर दिया। बोस का सुदृढ़ नेतृत्व मिलते ही आज़ाद हिन्द फौज ने देश को स्वतंत्र कराने के लिए प्रयास तेज़ कर दिए। देश को स्वतंत्र कराने के लिए उनके द्वारा किए जा रहे कठोर परिश्रम और महत्वपूर्ण योगदान के कारण ही भारत आज़ाद हुआ।

सामयिक

विदेशी हस्तक्षेप की बातें भारत के अलावा दूसरे देशों और नेताओं द्वारा भी कहा जा रहा है। विश्व के अनेक देशों की चुनावी प्रक्रियाओं को प्रभावित करने में विदेशी शक्तियों और संस्थाओं की भूमिका सामने आती रही हैं। माइक्रोसाफ्ट ने डीपफेक और एआई के माध्यम से भारतीय चुनावों को प्रभावित करने की कोशिशों पर चेतावनी दिया था। 2018 में अमेरिकी सीनेट ने एक रिपोर्ट जारी की थी, जिसमें कहा गया था कि 2016 में डोनाल्ड ट्रंप को जितवाने के लिए रूसी खुफिया एजेंटों ने फेसबुक विज्ञापनों के साथ कई तरीके से चुनावों को प्रभावित किया था। कनाडा और आस्ट्रेलिया के चुनावों में चीनी फंडिंग से चलने वाले अभियानों की भूमिका सामने आई। आस्ट्रेलिया में राजनीतिक संप्रभुता पर विदेशी हस्तक्षेप के प्रभाव पर व्यापक चर्चा हो रही है और इसे ध्यान में रखते हुए महत्वपूर्ण नीतिगत बदलाव किए गए हैं।

भारतीय चुनाव में विदेशी भूमिका का सच

अवधेश कुमार

मोबाइल 9811027208

भारत में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के नाम पर यूएसएड या यूनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के माध्यम से 21 मिलियन डॉलर यानी 182 करोड रुपए आने की सूचना ने पूरे देश में खलबली पैदा की है। ट्रंप प्रशासन के अंदर नवनिर्मित डिपार्मेंट आफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी डोजे यानी सरकारी दक्षता विभाग ने उसकी जानकारी देते हुए सूची जारी की। आरंभ में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसे रोकने की घोषणा की और कहा कि भारत के पास स्वयं काफी रुपया है तो हम क्यों दे। उस समय ऐसा लगा मानो भारत द्वारा अमेरिकी सामग्रियों पर लगने वाले आयत शुल्क के विरुद्ध कदम उठा रहे हैं। फिर उन्होंने मियामी और उसके बाद वाशिंगटन डीसी के आयोजनों में कहा कि हमें भारत में मतदान बढ़ाने पर 21 मिलियन खर्च करने की आवश्यकता क्यों है? मुझे लगता है कि वे किसी और को जिताने की कोशिश कर रहे थे। हमें भारत सरकार को बताना होगा। क्योंकि जब हम सुनते हैं कि रूस ने हमारे देश में 2 डॉलर का खर्च किया है तो यह हमारे लिए बड़ा मुद्दा बन जाता है। भारत सरकार की ओर से सूचना है कि जानकारियों के आधार पर जांच आरंभ हो गई है। हमारे देश की समस्या है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की केंद्र व भाजपा की राज्य सरकारों के रहते जब भी ऐसी खबर आती है सोशल मीडिया और मीडिया पर प्रभाव रखने वाला बड़ा वर्ग इसे गलत साबित करने पर तुल जाता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ऐसा कह रहे हैं तो उसे खारिज नहीं किया जा सकता।

हमारे पास भारतीय चुनाव में हस्तक्षेप को साबित करने के लिए सटीक प्रमाण नहीं हैं। कुछ तथ्यों के आधार पर इसकी विवेचना की जा सकती है। डोजे द्वारा यूएस एड की जारी सूची में 15 तरह के कार्यक्रम के लिए धन देने की बात है। इनमें एक दुनियाभर में 'चुनाव और राजनीतिक प्रक्रिया सुदृढ़ीकरण' के लिए 48.6 करोड़ डॉलर यानी 4200 करोड़ का अनुदान था। इसी में भारत की हिस्सेदारी 182 करोड़ रुपए की है। बांग्लादेश को मिलने वाली 251 करोड़ रुपए बांग्लादेश में राजनीतिक माहौल को मजबूत करने के लिए दिया जा रहा था। विश्व में चुनाव और राजनीतिक प्रक्रिया के सुदृढ़िकरण की आवश्यकता अमेरिकी प्रशासन को क्यों महसूस हुई? बांग्लादेश में राजनीतिक सुधारों के लिए अमेरिकी सहायता राशि की जरूरत क्यों थी? मोजांबिक में पुरुष खतना कराएं, कंबोडिया में स्वतंत्र आवाज मजबूत हो तो प्राग में नागरिक समाज अंदर सशक्त हो इनका केवल समाज सेवा या उस देश का हित उद्देश्य नहीं हो सकता। इसके पीछे राजनीतिक उद्देश्य हैं। सच है कि सन 2012 में भारत के चुनाव आयोग ने इंटरनेशनल फाउंडेशन फॉर इलेक्टोरल सिस्टम्स के साथ एमओयू यानी सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किया था। तत्कालीन मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी ने इन आरोपों और समाचारों को निराधार बताया है कि आईएफएससी से धन आयोग को स्थानांतरित हुआ था। कहीं नहीं कहा गया है कि इसने सीधे चुनाव आयोग को पैसा दिया। इस एजेंसी को यूएसएड से धन मिलता था और यह जार्ज सोरोस के ओपन सोसाइटी फाउंडेशन के साथ संबद्ध है। ऐसी संस्थाएं किसी माध्यम से अपनी भूमिका को वैधानिकता का आवरण देने की दृष्टि से समझौते करती हैं और फिर अपने अनुसार कार्य करती है। ध्यान रखिए 2012 में महत्वपूर्ण गुजरात विधानसभा चुनाव था तथा उसके पहले उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब और मणिपुर का। वर्ष 2013 में पहले कर्नाटक उसके बाद मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान का। भारतीय चुनावों और राजनीति में विदेशी भूमिका की बात पहली बार नहीं आई है।

नरेंद्र मोदी सरकार गठित होने के बाद से इसका चरित्र और व्यवहार बदला है किंतु हमारे देश में यह बीमारी लंबे समय से है। जब देश के नेता नौकरशाही, बुद्धिजीवी, पत्रकार, एक्टिविस्ट आदि छोटे-छोटे लाभ के लिए खिलौना बनने को तैयार हो जाएं तो कुछ भी हो सकता है। शीतयुद्ध काल में सोवियत संघ और अमेरिका के बीच प्रतिस्पर्धायें थीं। दोनों अपने प्रभाव के लिए हस्तक्षेप करते थे। भारत में 1967, 77, 80 के चुनाव में विदेशी भूमिका की सबसे ज्यादा चर्चा हुई। सोवियत संघ के विघटन के बाद मित्रोखिन पेपर नाम से ऐसी जानकारियां आईं जिनसे पढ़ने वाले भौचक रह गए थे। वासिली मित्रोखिन, जो सोवियत संघ की खुफिया एजेंसी केजीबी से संबद्ध थे, और क्रिस्टोफ़र एन्ड्रयूज ने अपनी पुस्तकों में खुलासा किया कि केजीबी ने भारत के अनेक समाचार पत्रों एक्टिविस्टों ,पत्रकारों, बुद्धिजीवियों, नेताओं पर उस समय अरबों खर्च किए। भारत में अमेरिका के राजदूत रह चुके डेनियल मोयनिहान ने पुस्तक ए डैंजरस प्लेस में लिखा है कि भारत में कम्युनिस्टों के विस्तार को रोकने के लिए अमेरिका ने भारतीय नेताओं को धन दिए।

सन 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने के बाद से अनेक ऐसी घटनाएं हुईं हैं जिनसे संदेह बढ़ा। 2019 में दोबारा उनके सत्ता में लौटने के बाद अलग तरह के स्वरुपों में आंदोलन हुए । इनमें नागरिकता संशोधन कानून के विरुद्ध शाहीनबाग धरना और उसके समर्थन में देश और दुनिया में सोशल मीडिया से लेकर अन्य अभियान तथा अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं का सरकार के विरुद्ध सीधे बयान देना शामिल है। कृषि कानून के विरुद्ध हुए आंदोलन में भी हमने देखा कि देश के बाहर से टूलकिट बनाकर अभियान चलाए जा रहे थे। इस तरह के आंदोलन भारत ने कभी देखे नहीं जिसमें प्रत्यक्ष हिंसा नहीं हो, पर उग्रता और हठधर्मिता ऐसी कि मुख्य सड़क पर धरना दो, आवश्यकतानुसार निर्माण भी कर लो और बैठे रहो, किसी सूरत में हटो नहीं। यूएसएड द्वारा 2021 में भारतीय मिशन के प्रमुख के रूप में वीणा रेड्डी को भेजा गया था। लोकसभा चुनाव 2024 के बाद उनका भारत का कार्यकाल समाप्त हो गया और वह वापस लौट गई हैं। उस समय भी उनकी भूमिका को लेकर प्रश्न उठे थे।

विदेशी हस्तक्षेप की बातें भारत के अलावा दूसरे देशों और नेताओं द्वारा भी कहा जा रहा है। विश्व के अनेक देशों की चुनावी प्रक्रियाओं को प्रभावित करने में विदेशी शक्तियों और संस्थाओं की भूमिका सामने आती रही हैं। माइक्रोसाफ्ट ने डीपफेक और एआई के माध्यम से भारतीय चुनावों को प्रभावित करने की कोशिशों पर चेतावनी दिया था। 2018 में अमेरिकी सीनेट ने एक रिपोर्ट जारी की थी, जिसमें कहा गया था कि 2016 में डोनाल्ड ट्रंप को जितवाने के लिए रूसी खुफिया एजेंटों ने फेसबुक विज्ञापनों के साथ कई तरीके से चुनावों को प्रभावित किया था। कनाडा और आस्ट्रेलिया के चुनावों में चीनी फंडिंग से चलने वाले अभियानों की भूमिका सामने आई। आस्ट्रेलिया में राजनीतिक संप्रभुता पर विदेशी हस्तक्षेप के प्रभाव पर व्यापक चर्चा हो रही है और इसे ध्यान में रखते हुए महत्वपूर्ण नीतिगत बदलाव किए गए हैं। सेबेस्टियन व्हाइटमैन की किताब 'द डिजिटल डिवाइड इन डेमोक्रेसी' में कहा गया है कि माइक्रोसॉफ्ट ने भी अपनी एक रिपोर्ट में चेतावनी दी थी कि चीनी सरकार के समर्थन से चीन की साइबर आर्मी आगामी अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों, दक्षिण कोरिया और भारत के चुनावों को प्रभावित कर सकती है।

हांगकांग यूनिवर्सिटी में डिपार्टमेंट ऑफ पॉलिटिक्स एंड पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन में सहायक प्रोफेसर डोव एच लेविन ने 2020 में अपनी किताब किताब 'मेडलिंग इन द बैलेट बॉक्स: द कॉजेज एंड इफेक्ट्स ऑफ पार्टिजन इलेक्टोरल इंटरवेंशन' में लिखा है कि 1946 से वर्ष 2000 के दौरान 938 चुनावों का परीक्षण किया गया। इनमें से 81 चुनावों में अमेरिका, जबकि 36 चुनावों में रूस ने हस्तक्षेप किया। इस तरह 938 में से 117 यानी हर 9 चुनाव में से 1 चुनाव में दोनो की भूमिका रही है। वैराइटीज ऑफ डेमोक्रेसी इंस्टीट्यूट, स्वीडन द्वारा 2019 में प्रकाशित जर्मन राजनीति विज्ञानी अन्ना लुहरमैन के अध्ययन के अनुसार हर देश ने कहा है कि मुख्य राजनीतिक मुद्दों को लेकर झूठ फैलाये गये और चीन और रूस सबसे ज्यादा झूठ फैलाने वाले देश थे। संभव नहीं कि चीन और रूस ऐसा करें और अमेरिका इससे वंचित हो।

भारत पर विस्तृत अध्ययन नहीं आया, किंतु 2019 के चुनाव में ज्यादातर देशों ने स्वीकार किया कि झूठ और अफवाह फैला कर चुनावों को प्रभावित करने की कोशिश की गई। 2024 के चुनाव में हमने देखा कि संविधान खत्म हो जाएगा, आरक्षण खत्म हो जाएगा जैसे झूठ ने भूमिका अदा की। इसमें सोशल मीडिया, मुख्य मीडिया,आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की पूरी भूमिका थी। दलितों और जनजातियों के बीच लोगों का समूह जाकर का प्रचार करता था। इसलिए इन बातों की ठीक प्रकार से जांच हो। जांच रिपोर्ट में अगर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हमारे राष्ट्रीय हित प्रभावित होते हों तो भले उन्हें सार्वजनिक न किया जाए किंतु भविष्य में ऐसी खतरनाक भूमिकाओं को रोकने के कदम उठाए जाने चाहिए।

नजरिया

मोबाइल की लत से वर्चुअल ऑटिज्म का शिकार होते बच्चे

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 8949519406

अनेक अध्ययन रिपोर्टों में देश और दुनिया में बढ़ते वर्चुअल आटिज्म के खतरे से सावचेत किया जा रहा है। रिपोर्ट्स बताती हैं कि कम उम्र में बच्चों को फोन थमाने से उनका मानसिक विकास प्रभावित होता है. इतना ही नहीं, मोबाइल, गैजेट्स और ज्यादा टीवी देखने की लत बच्चों का भविष्य खराब कर रही है। इससे उनमें वर्चुअल आटिज्म का खतरा बढ़ रहा है। आज घर घर में बच्चे धड़ल्ले से मोबाइल पर स्क्रीनिंग कर रहे है। उन्हें इस बात की कोई चिंता नहीं है की यह उनके स्वास्थ्य के लिए कितनी खतरनाक है। प्रगति और विकास की अंधी दौड़ में हम अपने बच्चों को उन बीमारियों की ओर धकेल रहे है जिससे उनका शारीरिक और विशेषकर मानसिक विकास बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। ऐसी ही बच्चों की एक घातक बीमारी को चिकित्सक आटिज्म के नाम से सम्बोधित करते है। यह बीमारी मोबाइल फोन से सम्बंधित है। दुनिया भर में हुई तमाम रिसर्च और रिपोर्टें बताती हैं कि कम उम्र में बच्चों को फोन थमाने से उनका मानसिक विकास प्रभावित होता है। इतना ही नहीं एक रिपोर्ट के मुताबिक मोबाइल, गैजेट्स और ज्यादा टीवी देखने की लत बच्चों का भविष्य खराब कर रही है। इससे उनमें वर्चुअल आटिज्म का खतरा बढ़ रहा है। आज के दौर में फोन ही जीवन का आधार हो गया है। हर किसी को स्मार्टफोन और इंटरनेट की लत लगी है। आज देश के घर घर में स्मार्ट फोन ने अपना कब्ज़ा जमा लिया है। देखा जा रहा है अभिभावक अपने बच्चों के सामने बेबस है।

बच्चे जब रोते हैं या किसी चीज के लिए जिद करते हैं तो अक्सर मां-बाप पीछा छुड़ाने के लिए बच्चों को मोबाइल या कोई और इलेक्ट्रॉनिक गैजेट थमा देते हैं। इससे बच्चा शांत तो हो जाता है लेकिन इससे उसे कई घंटे स्क्रीन के सामने बिताने की लत लग जाती है। यह परिपाटी केवल एक घर की नहीं अपितु घर घर की है। घर में बच्चे के लिए दूध भलेही न मिले मगर मोबाइल चलाने के लिए डेटा अवश्य मिल जायेगा। सब्जी लाने के लिए जेब खा ली है मगर इंटरनेट के लिए जुगाड़ हो जाता है। यह प्रचलन आजकल काफी आम हो गया है।

मोबाइल फोन,टीवी, टैबलेट, कंप्यूटर जैसे इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स बच्चों को वर्चुअल ऑटिज्म का शिकार बना रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक इन सबसे बच्चों में आटिज्म की बीमारी बढ़ रही है और उनकी सोशल कम्युनिकेशन और बिहेवियर स्किल्स प्रभावित हो रही हैं। इसमें बच्चों से माता-पिता का संवाद कम होना, बच्चों का बहुत ज्यादा अकेले में रहना, स्क्रीन टाइम यानी टीवी, मोबाइल का अत्यधिक प्रयोग करना आदि कारण शामिल हैं।

अमेरिकी ग़ैर-सरकारी संस्था सेपियन लैब्स की रिपोर्ट के मुताबिक़ कम उम्र में जब बच्चों को स्मार्टफ़ोन दिए जाते हैं तो युवावस्था आते-आते उनके दिमाग़ पर विपरीत असर दिखने लगता है। यह रिपोर्ट 40 देशों के 2,76,969 युवाओं से बातचीत करके तैयार की गई है और ये सर्वेक्षण इसी साल जनवरी से अप्रैल महीने में किया गया। इन 40 देशों में भारत भी शामिल है। बेहद चौंका देने वाली इस रिपोर्ट में कहा गया है कि 74 फ़ीसदी महिलाएँ, जिन्हें 6 साल की उम्र में स्मार्टफ़ोन दिया गया था, उन्हें युवावस्था में मेंटल हेल्थ को लेकर परेशानी आई। जिन लड़कियों को 10 साल की उम्र में स्मार्टफ़ोन दिया गया, उनमें 61 फ़ीसदी का एमसीक्यू स्तर कम या ख़राब रहा। कुछ ऐसा ही हाल 15 साल की 61 फ़ीसदी लड़कियों का रहा।

पिछले कई सालों में सूचना तकनीक ने जिस तरह से तरक्की की है, इसने मानव जीवन पर गहरा प्रभाव डाला है बल्कि एक तरह से इसने जीवनशैली को ही बदल डाला है। बच्चे और युवा एक पल भी स्मार्टफोन से खुद को अलग रखना गंवारा नहीं समझते। इनमें हर समय एक तरह का नशा सा सवार रहता है। वैज्ञानिक भाषा में इसे इंटरनेट एडिक्शन डिस्ऑर्डर कहा गया है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक देश भर में बच्चों में वर्चुअल ऑटिज्म के मामलों की संख्या में पिछले एक दशक में तीन से चार गुना वृद्धि देखी गई है। मां-बाप के बीच एक यह प्रवृत्ति बढ़ी है कि वो अपने बच्चों का मन बहलाने के लिए उन्हें कहानी या लोरियां सुनाने की जगह मोबाइल फोन और अन्य गैजेट पकड़ा देते है। इस सामाजिक और मानसिक समस्या से छुटकारा पाने के लिए यह जरुरी है की माता-पिता पहले अपनी आदतों में सुधार करे फिर अपने बच्चों को सुधारे।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

बैठक

दिल्ली के मंत्री आशीष सूद रविवार को नई दिल्ली स्थित पार्टी कार्यालय में भाजपा विधायक दल की बैठक में भाग लेने जाते हुए।

भ्रष्टाचार खत्म कर रहा हूं : ट्रंप ने बड़े पैमाने पर निर्वासन के बचाव में कहा

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अवैध विदेशी नागरिकों के बड़े पैमाने पर निर्वासन के अपने फैसले को सही ठहराते हुए कहा है कि उनका प्रशासन भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए धोखेबाजों, ठगों और 'डीप स्टेट' नौकरशाहों (बाहरी ताकतें जो सरकार के निर्णयों को प्रभावित कर सकती हैं) को घर भेज रहा है। ट्रंप ने अवैध प्रवासियों के बड़े पैमाने पर निर्वासन को अपनी प्रमुख नीति बना लिया है।

शनिवार को वाशिंगटन के बाहर कंजर्वेटिव पॉलिटिकल एक्शन कॉन्फ्रेंस' (सीपीएसी) को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, धोखेबाजों, झूठों, बेईमानों, वैश्विकतावादियों और 'डीप स्टेट' नौकरशाहों को बाहर भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा, अवैध विदेशी अपराधियों को घर भेजा जा रहा है। हम भ्रष्टाचार को खत्म कर रहे हैं और लोगों का शासन बहाल कर रहे हैं।

'प्यू रिसर्च सेंटर' के अनुसार, 2022 तक अनधिकृत अप्रवासी कुल अमेरिकी आबादी का 3.3 प्रतिशत और विदेश में जन्मी आबादी के 23 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पदभार संभालने के बाद से ही अमेरिकी आव्रजन प्रणाली के कुछ हिस्सों में आमूलचूल परिवर्तन करने का काम शुरू कर दिया है तथा बड़े पैमाने पर निर्वासन और गिरफ्तारियों का आश्वासन किया है। होमलैंड सुरक्षा विभाग ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि तीन फरवरी तक उसके एजेंटों ने 8,768 लोगों को गिरफ्तार किया था।

मैराथन

अमृतसर से अटारी बॉर्डर तक भारतीय सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) द्वारा आयोजित बॉर्डरमैन 2025 मैराथन में भाग लेते प्रतिभागी।

कराची में होली मनाने को लेकर छात्रों को कारण बताओ नोटिस की आलोचना

कराची/भाषा। पाकिस्तान के सिंध प्रांत के कराची शहर में स्थित एक प्रमुख निजी विश्वविद्यालय को अपने परिसर में होली का त्योहार मनाने पर छात्रों को कारण बताओ नोटिस जारी करने को लेकर आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। पूर्व सांसद लाल मल्ही ने सोशल मीडिया पर दाऊद इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा छात्रों को जारी नोटिस पोस्ट किया, जिनमें से अधिकतर हिंदू थे।

संस्थान ने स्पष्ट किया कि यह एक पुराना मामला है और इसने छात्रों के खिलाफ कोई प्राथमिकी दर्ज होने की खबरों को खारिज कर दिया।

सेना आगामी वर्ष तक शरणार्थी शिविरों में बनी रहेगी : इजराइल के रक्षा मंत्री

तेल अवीव/एपी। इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने रविवार को कहा कि उन्होंने सेना को निर्देश दिया है कि वह आगामी वर्ष तक वेस्ट बैंक के कुछ शहरी शरणार्थी शिविरों में बने रहने के लिए तैयार रहे। काट्ज ने कहा कि उत्तरी पश्चिमी तट के तीन शिविरों से लगभग 40,000 फलस्तीनी विस्थापित हो गए हैं और अब ये खाली हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि सेना को शिविरों में 'लंबे समय तक रहने' के लिए तैयार रहना है और निवासियों को वापस लौटने की अनुमति नहीं देनी है। काट्ज ने यह टिप्पणी ऐसे समय में की है जब इजराइल फलस्तीनी क्षेत्र में आक्रमण तेज कर रहा है और गाजा युद्ध को रोकने वाला संघर्षविराम अब भी कायम है। सेना ने रविवार को कहा कि वह वेस्ट बैंक के अन्य क्षेत्रों में भी छापेमारी तेज कर रही है और आतंकवादियों के गढ़ जेनिन में टैंक भेज रही है। संघर्ष विराम समझौते के दो दिन बाद 21 जनवरी को इजराइल ने उत्तरी वेस्ट बैंक पर आक्रमण शुरू किया था। इजराइल-हमास युद्ध के दौरान वेस्ट बैंक में हिंसा बढ़ गई है। वेस्ट बैंक से होने वाले फलस्तीनी हमलों में भी वृद्धि हुई है और बृहस्पतिवार देर रात इजराइल में तीन खाली बसों में विस्फोट हुए, जिसे पुलिस एक संदिग्ध आतंकवादी हमला मान रही है।

कोई विमान नहीं, कोई यात्री नहीं, कोई सुविधा नहीं : पाकिस्तान का नया हवाई अड्डा बना रहस्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ग्वादर/एपी। पाकिस्तान का सबसे नया और सबसे महंगा हवाई अड्डा एक रहस्य की तरह है, जहां न तो कोई विमान है और न ही कोई यात्री। चीन द्वारा पूरी तरह से वित्तपोषित 24 करोड़ अमेरिकी डॉलर की लागत से बने नये ग्वादर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के बारे में यह बता पाना मुश्किल है कि यह वाणिज्यिक उद्देश्य के लिए कब खुलेगा। अक्टूबर 2024 में बनकर तैयार हुआ यह हवाई अड्डा इसके आसपास के गरीब एवं अशांत दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत से बिल्कुल अलग है। चीन पिछले एक दशक से चीन-पाकिस्तान 'आर्थिक गलियारे' या सीपीईसी परियोजना के तहत बलूचिस्तान और ग्वादर में अरबों डॉलर का निवेश कर रहा है। यह परियोजना उसके पश्चिमी शिनजियांग प्रांत को अरब सागर से जोड़ती है। प्राधिकारियों ने इसे परिवर्तनकारी बताकर इसकी प्रशंसा की है, लेकिन ग्वादर में कोई खास बदलाव नजर नहीं आता। शहर राष्ट्रीय ग्रिड से जुड़ा नहीं है, बिजली पड़ोसी ईरान या सौर पैनल से आती है और वहां पर्याप्त स्वच्छ पानी नहीं है। शहर के 90,000 लोगों के लिए 4,00,000 यात्री क्षमता वाला हवाई अड्डा प्राथमिकता नहीं है।

पाकिस्तान-चीन संबंधों के विशेषज्ञ और अंतरराष्ट्रीय संबंध विशेषज्ञ अजीम खालिद ने कहा, यह हवाई अड्डा पाकिस्तान या ग्वादर के लिए नहीं है। यह चीन के लिए है, ताकि वह अपने नागरिकों को ग्वादर और बलूचिस्तान तक सुरक्षित पहुंच प्रदान कर सके। सीपीईसी ने संसाधन संपन्न और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बलूचिस्तान में दशकों से जारी उग्रवाद को बढ़ावा दिया है। अलगाववादी राज्य के शोषण से व्यथित होकर स्वतंत्रता के लिए स्थानीय लोगों की कीमत पर लड़ रहे हैं और प्रांत एवं अन्य स्थानों पर पाकिस्तानी सैनिकों तथा चीनी श्रमिकों को निशाना बना रहे हैं।

पाकिस्तान के जातीय बलूच अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों का कहना है कि सरकार उनके साथ भेदभाव करती है और उन्हें देश में अन्यत्र उपलब्ध अवसरों से वंचित रखा जाता है। हालांकि, सरकार इन आरोपों से इनकार करती है। ग्वादर एक खूबसूरत जगह है, लेकिन ऐसी धारणा है कि यहां जाना खतरनाक या कठिन है।

ग्वादर के घरेलू हवाई अड्डे से केवल एक वाणिज्यिक मार्ग पर उड़ान का संचालन किया जाता है। कराची के लिए सप्ताह में तीन बार उड़ान का संचालन किया जाता है।

ग्वादर निवासी खुदा बख्श हाशिम (76) ने कहा कि वह सीपीईसी को सफल होते देखना चाहते हैं, ताकि स्थानीय लोगों, खासकर युवाओं को रोजगार, उम्मीद और जीवन में कोई उद्देश्य मिल सके, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। सुरक्षा चिंताओं के कारण ग्वादर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के उद्घाटन में देरी हुई और पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और उनके चीनी समकक्ष ली कियांग ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से इसका उद्घाटन किया। पहली उड़ान मीडिया और आम लोगों के लिए प्रतिबंधित थी।

'बलूचिस्तान अवामी पार्टी' के जिला अध्यक्ष अब्दुल गफूर होथ ने कहा कि ग्वादर के एक भी निवासी को हवाई अड्डे पर काम करने के लिए नहीं रखा गया, यहां तक कि चौकीदार के तौर पर भी नहीं।

अभिनेत्री श्वेता मेनन ने की सरिस्का बाघ अभयारण्य में सफारी

अलवर/एजेन्सी

दक्षिणी भारत की फिल्मों की अभिनेत्री श्वेता मेनन शनिवार को अपने बच्चों के साथ अलवर के सरिस्का बाघ अभयारण्य में सफारी की, लेकिन उन्हें बाघ के दर्शन नहीं हुये। अभिनेत्री श्वेता मेनन ने यहां सफारी का लुत्फ उठाने के बाद कहा कि वह अगली बार पति को लेकर आयेंगी। शायद उस वक्त बाघ दिखाई दे। उन्होंने कहा कि सरिस्का के जंगल बहुत खूबसूरत हैं। श्वेता मेनन टहला गेट से गाइड श्यामसुंदर के साथ सफारी पर निकली। उन्होंने पूरा जंगल घूमने के बाद कहा कि सरिस्का बहुत खूबसूरत है। जंगल में काफी वन्यजीव देखे हैं। इस बार टाइगर नहीं दिखा, लेकिन अगली बार आने का पूरा मन है और पति के साथ आऊंगी। मजाक के लहजे में उन्होंने कहा, अगली बार खुद के 'शेर' पति के साथ वापस सरिस्का आएंगी। असल में सरिस्का में अब पर्यटकों की संख्या तेजी से बढ़ी है। अब टहला एवं सदर गेट से रोजाना 500 के आसपास पर्यटक आते हैं। दोनों तरफ से सफारी के दौरान टाइगर दिखाई देता है। सरिस्का में वर्तमान में 42 टाइगर, टाइग्रेस एवं शावक हैं, आगे यह कुनबा और बढ़ने वाला है।

ऋचा चड्ढा की फिल्म 'गर्ल्स विल बी गर्ल्स' ने जीता जॉन कैसावेट्स अवॉर्ड

मुंबई/एजेन्सी

पावर कपल ऋचा चड्ढा और अली फ़ज़ल की फिल्म 'गर्ल्स विल बी गर्ल्स' ने 2025 फिल्म इंडिपेंडेंट स्पिरिट अवॉर्ड्स में प्रतिष्ठित जॉन कैसावेट्स अवॉर्ड जीत लिया है। भारतीय फिल्म गर्ल्स विल बी गर्ल्स ने 2025 फिल्म इंडिपेंडेंट स्पिरिट अवॉर्ड्स में प्रतिष्ठित जॉन कैसावेट्स अवॉर्ड जीतकर इतिहास रच दिया है। यह सम्मान पाने वाली यह पहली भारतीय फिल्म बन गई है, जो स्वतंत्र सिनेमा की दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित अवॉर्ड्स में से एक में भारतीय सिनेमा के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। यह अवॉर्ड हर साल उन सर्वश्रेष्ठ फिल्मों को दिया जाता है, जिनका बजट एक मिलियन डॉलर से कम होता है, और गर्ल्स विल बी गर्ल्स ने सभी दावेदारों के बीच अपनी खास जगह बनाई।

गर्ल्स विल बी गर्ल्स का निर्देशन और लेखन शुचि तलाटी ने किया है, और यह फिल्म भारतीय सिनेमा के दो बेहतरीन कलाकार ऋचा चड्ढा और अली फ़ज़ल की बतौर निर्माता पहली फिल्म भी है, जिसे उन्होंने अपनी प्रोडक्शन कंपनी पुशिंग बटन्स स्टूडियोज़ के तहत बनाया। यह फिल्म 18 दिसंबर 2024 को प्राइम वीडियो इंडिया पर रिलीज़ हुई थी और इसे ज़बरदस्त सराहना मिली। इसे भारत की बेहतरीन कमिंग-ऑफ-एज और महिला केंद्रित फिल्मों में से एक माना जा रहा है। इस ऐतिहासिक जीत पर ऋचा चड्ढा ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, यह जीत किसी सपने के सच होने जैसी है। मैं बेहद गर्व महसूस कर रही हूं कि हमने गर्ल्स विल बी गर्ल्स जैसी फिल्म बनाई। यह सिर्फ मेरी नहीं, बल्कि पूरी टीम की जीत है, जिन्होंने इस कहानी पर भरोसा किया।

एक स्वतंत्र सिनेमा निर्माता और भारतीय कलाकार के रूप में यह सम्मान पाना मेरे लिए बहुत खास है। अली फ़ज़ल ने भी इस जीत पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, यह जीत हमारे लिए और भारतीय सिनेमा के लिए बहुत अहम है। स्वतंत्र सिनेमा का असली सार यह है कि आप बिना किसी डर के सच्चाई को पेश करें, चाहे वह कितनी भी कठिन क्यों न हो। गर्ल्स विल बी गर्ल्स ठीक यही करती है।यह सीमाओं को तोड़ने और इतिहास बनाने की कोशिश है, और मैं इस फिल्म का हिस्सा बनकर गर्व महसूस कर रहा हूं।

नितेश तिवारी की 'रामायण' में 'रावण' बनेंगे यश

मुंबई/एजेन्सी

कन्नड़ सुपरस्टार यश ने रणबीर कपूर और साई पल्लवी स्टारर 'रामायण' की शूटिंग शुरू कर दी है। नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही फिल्म में यश 'रावण' की भूमिका में नजर आएंगे। 'रामायण' में भगवान राम की भूमिका रणबीर कपूर निभा रहे हैं, जबकि साई पल्लवी माता सीता का किरदार निभाती नजर आएंगी। रणबीर और साई पल्लवी पहले ही मुंबई में अपने हिस्से की शूटिंग कर चुके हैं। अब यश ने भी अपने हिस्से की शूटिंग शुरू कर दी है। सूत्रों के मुताबिक, यश 21 फरवरी को शूटिंग के सेट पर पहुंचे और उन्होंने दो दिन के कॉस्ट्यूम ट्रायल के बाद शूटिंग शुरू की। फिलहाल, उनकी शूटिंग का फोकस युद्ध के दृश्यों पर है, जिसे मुंबई के अक्सा बीच पर फिल्माया जाएगा। इसके बाद फिल्म की आगे की शूटिंग दहिसर के एक स्टूडियो में होगी।

इस फिल्म में युद्ध के दृश्यों को बड़े पैमाने पर फिल्माया जा रहा है। एक्शन कोरियोग्राफी जबरदस्त है। इन दृश्यों में ग्रीन स्क्रीन तकनीक और वीएफएक्स का भी बड़े स्तर पर इस्तेमाल किया गया है। हालांकि, इस चरण में रणबीर कपूर शामिल नहीं होंगे, क्योंकि इसमें राम-रावण के आमने-सामने की लड़ाई का दृश्य नहीं है। यश इस फिल्म में खास परिधानों में नजर आएंगे, जिन्हें हरप्रीत और रिम्पल ने डिजाइन किया है। खास बात यह है कि उनके कपड़े असली सोने की जरी से बनाए गए हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार रावण का राज्य लंका सोने का नगर माना जाता था इसलिए फिल्म में उनके परिधानों को भी उसी हिसाब से तैयार किया गया है।

'रामायण' को दो भागों में बनाया जा रहा है। पहला भाग दीपावली 2026 में रिलीज होगा, जबकि दूसरा भाग दीपावली 2027 में आएगा। 'रामायण' में यश, रणबीर कपूर, साई पल्लवी के साथ लारा दत्ता, सनी देओल और इंदिरा कृष्णा भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे।

आइफा में प्रदर्शन करने के लिए उत्साहित हैं सचिन-जिगर

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की सुप्रसिद्ध संगीतकार जोड़ी सचिन-जिगर अंतरराष्ट्रीय फिल्म अकादमी (आइफा) के मंच पर प्रस्तुति देने के लिये उत्साहित हैं। इस साल जयपुर में आयोजित किए जा रहे आइफा अवार्ड्स 2025 में भारतीय सिनेमा के सर्वश्रेष्ठ कलाकारों का जश्न मनाया जाएगा, जिसमें अविस्मरणीय प्रदर्शनों की एक श्रृंखला होगी, और सबसे प्रतीक्षित प्रदर्शनों में से एक प्रतिभाशाली संगीतकार जोड़ी सचिन-जिगर है। इस साल सचिन-जिगर पहली बार सितारों से सजे आइफा अवार्ड्स में मुख्य मंच पर होंगे, और अपनी आकर्षक ऊर्जा और शैली को दर्शकों के सामने लाएंगे।

सचिन-जिगर हमेशा से ही विभिन्न शैलियों को मिलाने और ऐसा संगीत बनाने की अपनी क्षमता के लिए जाने जाते हैं जो श्रोताओं के साथ गहराई से जुड़ता है। वे अपने कुछ हिट और अपनी सिग्नेचर हार्टफुल धुनों को आइफा में प्रस्तुत करने के लिए तैयार हैं। सचिन-जिगर ने कहा, हम इस साल आइफा में प्रदर्शन करने के लिए बहुत उत्साहित हैं।

आईफा हमेशा से ही वैश्विक मंच पर भारतीय सिनेमा का जश्न मनाता रहा है और इस तरह से इसका हिस्सा बनना हमारे लिए वाकई खास है। यह प्रदर्शन दर्शकों के साथ अपनी संगीत यात्रा को साझा करने का हमारा तरीका है, खासकर उस अविश्वसनीय वर्ष के बाद जब हमारे हालिया हिट के लिए दर्शकों का प्यार और समर्थन बहुत ज़्यादा रहा है और हम दर्शकों की ऊर्जा का अनुभव करने के लिए और इंतज़ार नहीं कर सकते हैं।

आध्यात्मिक हैं राजा कुमारी, बताया 16 सोमवार का रखती हैं व्रत

मुंबई/एजेन्सी

गायिका-गीतकार राजा कुमारी का एल्बम 'काशी टू कैलाश' हाल ही में रिलीज हो चुका है। गायिका ने इसे भगवान शिव से प्रेरित एक गहरा व्यक्तिगत और आध्यात्मिक प्रोजेक्ट बताया। उन्होंने यह भी बताया कि भोलेनाथ ही उन्हें आध्यात्मिकता की ओर ले गए। राजा कुमारी ने बताया कि वह आध्यात्मिक हैं और इस ओर कैसे आईं। उन्होंने कहा, यह एल्बम कुछ मेरे लिए बेहद खास है, जिसे बनाने के लिए मुझे बुलाया गया था। हालांकि, दो साल पहले मेरा सफर कैंसिल हो गया और मैं जिंदगी में आध्यात्मिकता की ओर मुड़ गई। इसके बाद मैं केदारनाथ मंदिर जाने लगी। जब मैं भगवान शिव के सामने खड़ी हुई, तो मैंने पूछा कि मुझे आगे क्या करना चाहिए और उनका जवाब स्पष्ट था- समर्पण। तब से ही मुझे एहसास हो गया था कि यह पहला प्रोजेक्ट है जिसे मुझे बनाना है।

महा शिवरात्रि के अवसर पर रिलीज यह एल्बम उनकी आस्था, भक्ति और परिवर्तन की यात्रा को दिखाता है। एल्बम में उनकी शास्त्रीय जड़ें महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, खासकर 'द डिस्ट्रॉयर' में। उन्होंने आगे बताया, शिव तांडव हमेशा से एक ऐसा नृत्य रहा है, जिसे मैं बचपन से पसंद करती थी। शिव की तरह कपड़े पहनना और नृत्य करना हमेशा से मेरे जिंदगी का हिस्सा रहा है। मैंने अपने बचपन में मिले प्रशिक्षण और बचपन की रचनाओं को भी इस एल्बम में शामिल किया है। उन्होंने संस्कृत छंदों का उचित उच्चारण भी सुनिश्चित किया, उनका मानना ङ्कङ्कहै कि जब आप शब्दों को सही ढंग से बोलते हैं, तो एक अलग ऊर्जा होती है। राजा कुमारी के लिए महाशिवरात्रि निजी और खास है। उन्होंने कहा, मैं महाशिवरात्रि के अवसर पर ध्यान लगाती हूं और मुझे उससे बहुत ऊर्जा मिलती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
चेन्नई | सोमवार | 24-02-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

डिजिटल गिरफ्तारी साइबर धोखाधड़ी और वित्तीय धोखाधड़ी के बढ़ते खतरे के बारे में जागरूकता बढ़ाने के प्रयास में, जीतो बेंगलूरु साउथ ने हाल ही में डिजिटल गिरफ्तारी, साइबर धोखाधड़ी और वित्तीय धोखाधड़ी का मुकाबला करने पर एक जानकारीपूर्ण सत्र का आयोजन किया।

हिन्दी विरोध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तमिलनाडु में जारी भाषा विवाद के बीच तमिल समर्थक कार्यकर्ताओं ने रविवार को प्रदेश के दो रेलवे स्टेशनों पर नामपट्ट पर लिखे हिंदी शब्दों पर कालिख पोत दी। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक द्वारा केंद्र पर प्रदेश में हिंदी थोपे जाने का आरोप लगाए जाने के बीच तमिल समर्थक कार्यकर्ताओं ने रविवार को पोल्लाची रेलवे स्टेशन पर हिंदी में लिखे स्थान के नाम पर काला रंग पोत दिया। इस आशय के वायरल एक वीडियो में कार्यकर्ता हिंदी में लिखे 'पोल्लाचि जंक्शन' पर काला पेंट करते दिखाई दे रहे हैं, लेकिन अधिकारियों ने बाद में इसे ठीक कर दिया।

दिव्यांग बच्चों हेतु खेलकूद का आयोजन

चेन्नई/दक्षिण भारत। यहां चेन्नई सेंट्रल एलिट रोटरी क्लब की ओर से दिव्यांग बच्चों हेतु स्पेशल खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह एक प्रेरणादायक दिल को छू जाने वाला कार्यक्रम रहा। सुदर्शन विद्याश्रम तिरुवरकाडु में आयोजित इस कार्यक्रम में पंद्रह सौ से अधिक दिव्यांग बच्चों ने खेलकूद का आनंद लिया। रोटरी क्लब ऑफ चेन्नई सेंट्रल एलिट के अध्यक्ष डॉ संतोष कुमार राठौर सचिव रोहित डागा तथा परियोजना अध्यक्ष अजय हेमकुमार की सतत प्रयासों से खेलकूद का यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रोटरी डिस्ट्रिक्ट जिला प्रमुख महावीर बोथरा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

'बच्चों को कैंडी में ड्रग देने के हो रहे हैं षडयंत्र'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

होसदुर्गा। आचार्य विमलसागरसूरीश्वर ने कहा कि दुर्जन कभी किसी की भलाई का नहीं सोचते। उनके लिये स्वयं की स्वार्थपूर्ति ही महत्वपूर्ण होती है। ऐसे लोग अब मानवता को पूरी तरह कलंकित कर रहे हैं। वे हमारे मासूम बच्चों की जिंदगी बर्बाद करने के षड़्यंत्र रच चुके हैं। उनके गंदे मंसूबों को निष्फल बनाने के लिये समाज को संगठित होना पड़ेगा। पूरी सावधानी और साहस पूर्वक अपनी नई पीढ़ी को दुर्जनों के चंगुल से बचाना होगा।

अब कस्बों और छोटे शहरों की स्कूलों के बाहर ड्रग लपेटी हुई कैंडी लारी-गल्लों पर बेची जा रही है। सात-आठ वर्ष के मासूम-निर्दोष बच्चों को ड्रग की लत लगाई जा रही है। इस तरह हमारे सपनों और अरमानों की जिंदगी अंधकार में धकेली जा रही है। बच्चों को शिकार बनाकर ड्रग को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाने में इस्तेमाल किया जा रहा है। अधिकांश माता-पिता और अभिभावक इन तथ्यों से अनजान हैं।

शिवमोग्गा, भद्रावती से होसदुर्गा, हिरियूर की पदयात्रा के दौरान पांच विद्यालयों में रुकते हुए जैनाचार्य ने विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों और प्राध्यापकों को इन बातों से अवगत कराते हुए सावधान रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि स्कूल, कॉलेज व क्लासेस के आसपास बिना लायसेंस के कोई लारी-गल्ला या दुकान न लगें, इसका प्रबंध सरकार व प्रशासन को करना चाहिये। समय-समय पर ईमानदार लोगों के द्वारा उन लारी-गल्लों और दुकानों की बराबर तलाशी ली जानी चाहिये। ड्रग, धूम्रपान और गुटखा तो क्या, कोई नकली खाद्यवस्तु की बिक्री भी वहां नहीं होनी चाहिये।

इसके लिये समाज के प्रबुद्ध व सक्षम लोगों को संगठित सामूहिक जागरण और प्रयास करने चाहिये। यूं कोई हमारे लाल का जीवन तबाह कर दे, यह मंजूर नहीं हो सकता। सभी विद्यालयों में आचार्य विमलसागरसूरीश्वर व गणि पद्मविमलसागर ने विद्यार्थियों को पाठ्यसामग्री वितरित कर, मोटिवेशनल उद्बोधन देते हुए आशीर्वाद प्रदान किए। दिन भर संतों के दर्शनार्थ ग्रामीणजनों का आवागमन होता रहा। सोमवार को श्रमणजन होसदुर्गा पहुंचेंगे।

राजस्थानी भाषा को संवैधानिक मान्यता जरूरी : डॉ. दिलीप धींग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। जैन साहित्य संगम, तमिलनाडु के तत्वावधान में 22 फरवरी को विश्व मातृभाषा दिवस की रजत जयंती मनाई गई। नवकार महामंत्र के सामूहिक संगान के साथ शुरू हुए कार्यक्रम में अध्यक्ष राजस्थानश्री एम. गौतमचंद बोहरा (सीए) ने राजस्थानी व्यंजनों पर रचना 'पधारो म्हारे देश' सुनाकर कहा कि उन्हें बचपन से आचार्य भिक्षु के राजस्थानी पद सुनने को मिले थे, जिसके संस्कार आज भी है।

राजस्थानश्री डॉ. दिलीप धींग ने कहा कि राजस्थानी का सर्वप्रथम उल्लेख आठवीं सदी के आचार्य उद्योतन सूरि ने उनके ग्रंथ 'कुवलयमाला' में 'मरू भाषा' के नाम से किया है। प्राकृत का राजस्थानी से गहरा संबंध है। जैन मुनियों और विद्वानों ने भी राजस्थानी में उच्च कोटि के विपुल साहित्य की रचना की है।

कवि डॉ. धींग ने कहा कि राजस्थानी एक समृद्ध भाषा है। प्रवासी घर में, आपस में राजस्थानी में बात करते हैं। राजस्थानी के विकास के लिए दो दशक पूर्व उन्होंने कन्हैयालाल धींग राजस्थानी पुरस्कार' का प्रवर्तन किया, जो निरंतर गतिमान है।

उन्होंने कहा कि राजस्थानी साहित्य और संस्कृति के संरक्षण व संवर्धन के लिए केन्द्र सरकार को राजस्थानी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में मान्यता देनी चाहिये। संगम के सभी सदस्यों ने इसका समर्थन किया।

राजस्थानश्री मोहिनी चोरड़िया ने बताया कि वर्तमान में मारवाड़ी, मेवाड़ी, हाड़ौती, वागड़ी, शेखावाटी, ढूंढाड़ी आदि अनेक उपभाषाएँ राजस्थानी के अंतर्गत मानी जाती हैं। उपाध्यक्ष केवल कोठारी ने 'बोझिल हुए रिश्ते', शिल्पा बंब ने 'पावणा ने बैठ जिमावा' तथा कपूरचंद सेठिया ने 'धाप्यो भजन करै नी' कविता सुनाई। सहमंत्री राजेश सुराणा ने फरज के लिए रातीजगा करके आग बुझाने वाली सच्ची घटना पर कविता सुनाई। कोषाध्यक्ष पमिता खिचा ने कहा कि हमें राजस्थानी में भी लिखना चाहिये।

एमबीडीडी ब्लड ऑन व्हील्स माह का में 534 यूनिट रक्त संचय

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के निर्देशन में तेयुप विजयनगर द्वारा आयोजित एमबीडी ब्लड डोनेशन मासिक कैंप ब्लड ओन व्हील्स का समापन कार्यक्रम नायण्डहल्ली स्थित डिविनिटी अपार्टमेंट के क्लब हाउस में हुआ। इस अवसर पर रक्त दान शिविर आयोजित किया गया। तेयुप विजयनगर के अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा ने सबका स्वागत करते हुए, सामाजिक दायित्व के दायरे में मानव सेवा के विकास की शुभकामनाएं प्रदान करते हुए कहा कि विजयनगर टीम अभातेयुप निर्देशित सेवा, संस्कार, संगठन

तीनों आयामों में कार्यरत रहते हुए संघ सेवा में सदैव प्रयासरत है और आगे भी रहेगी।

अभातेयुप निर्देशित मेगा ब्लड डोनेशन ड्राइव एमबीडीडी ब्लड ऑन व्हील्स रक्त दान शिविर 24 जनवरी से 22 फरवरी तक विभिन्न स्थलों पर लायंस ब्लड बैंक के सहयोग से आयोजन किया गया जिसमें लगभग 534 यूनिट्स रक्त का संग्रहण किया गया। एमबीडीडी ब्लड ऑन व्हील्स का आगाज अभातेयुप राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश डागा की अध्यक्षता में 24 जनवरी को अर्हम भवन के प्रांगण से किया गया।

गणपतलाल राजपुरोहित रेलवे उपयोगकर्ता के सदस्य मनोनीत

मदुरै। मदुरै राजस्थानी प्रवासी समाज के गणपतलाल राजपुरोहित को भारत सरकार के रेल मंत्रालय रेलवे बोर्ड ने दक्षिण रेलवे में क्षेत्रीय रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति का सदस्य मनोनीत किया गया। प्रवासियों ने उनके चयन पर प्रसन्नता जताई है। 30 सितम्बर 2026 तक के लिए मनोनीत राजपुरोहित रेलवे से जुड़ी समस्याओं और सुझावों को प्रमुखता से उठाएंगे।

मंत्र प्रेक्षा पर कार्यशाला

शिवकाशी/दक्षिण भारत। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल एवं प्रेक्षा फाउंडेशन के निर्देशानुसार प्रेक्षाध्यान कल्याणक वर्ष के उपलक्ष में शिवकाशी महिला मंडल द्वारा फरवरी माह की कार्यशाला प्रेक्षा प्रवाह शांति और शक्ति के अंतर्गत मंत्र प्रेक्षा की कार्यशाला उपमंत्री प्रेम बैद के यहां हुई। कार्यशाला का पूरा भार शिवकाशी कन्या मंडल की दीप्ति बैद ने लिया। कार्यशाला का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र से किया गया। दीप्ति ने इस मंत्र की महिमा को बहुत ही सुंदर व विस्तार पूर्वक बताया कि इस मंत्र की साधना करने से आत्मा पवित्र व निर्मल बनती है। एक कहानी के माध्यम से भी समझते हुए कहा कि इस मंत्र में अपार शक्ति है तथा मंत्र उच्चारण का निश्चित समय, निश्चित स्थान, वह एकाग्रता के साथ करने से अत्यंत लाभकारी होता है तत्पश्चात 15 मिनट प्रेक्षाध्यान करवाया। सभी सदस्यों ने बहुत ही हर्ष और उल्लास के साथ भाग लिया। उपस्थिति भी पूर्ण रूप से रही। कार्यशाला का संचालन और धन्यवाद ज्ञापन अध्यक्ष रानी बरडिया ने किया।

अखंड रामायण पाठ का आयोजन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। यहां दधिच महिला मंडल की ओर से दो दिवसीय अखंड रामायण का पाठ का आयोजन मागडी रोड स्थित रामदेव प्रार्थना मंदिर में किया गया। दधिच महिला मंडल की अध्यक्ष प्रमिला शर्मा ने बताया कि यह पाठ 24 घंटे तक निरंतर चलता है। दो दिवसीय महोत्सव के तहत कुलदेवी दधीमति माँ का प्रागट्य दिवस भी मनाया गया। महिला मंडल की सरोज व्यास, सरोज ओझा, सरस्वती बिसावा, सरिका पलोड़, शशि ओझा, वंदना जोशी, सरिता असोपा, उषा काकड़ा, पुष्पा तिवारी, मीना जोशी, कुसुम दहिमा, बरखा जोशी, किरण मंडल, रेनु जोशी आदि ने बहुत ही सुंदर तरीके से इस कार्यक्रम का आयोजन किया। राम दरबार की विशेष प्रस्तुति

की गई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रामदेव प्रार्थना मंदिर के संरक्षक इंदरलाल सोलंकी, अध्यक्ष चेतन सीरवी, राजेश पटिल, सचिव पंकज शर्मा का स्वागत पुष्प गुच्छ देकर शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया गया। रचना सूँठवाल, उषा ककड़ा, मंजू सूँठवाल, वियाजलक्ष्मी रतावा भी कार्यक्रम में विशेष सहयोग किया। मंडल द्वारा सभी कार्यो को सफल बनाने के लिए प्रमिला शर्मा द्वारा सभी कार्यकर्ताओं को मोमेंटो और स्मृति चिन्ह दिए गए। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में कर्नाटक महर्षि दधीची परिषद के महामंत्री प्रभाकर काकड़ा, दधिच युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष प्रभाकर सोसी किशोर सूँठवाल, विजयकुमार शर्मा, पंकज मुंडेल चंद्रशेखर सूँठवाल आदि उपस्थित थे।

त्याग एवं दया की प्रतिमूर्ति हैं भगवान शिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गांधीनगर स्थित सिंधी पंचायत धर्मशाला में चल रही शिवमहापुराण कथा में व्यासपीठ से कथावाचक वृंदावन से पधारे बालशुक पुण्डरीकजी ने द्वितीय दिवस पर शिव पिण्डी प्राकट्य कथा सुनाई। उन्होंने बताया कि इस धरती पर शिवरात्रि के दिन भगवान विष्णु एवं ब्रह्मा जी के प्रतिस्पर्धा को रुकवाने दोनों के मध्य महादेव ही विशाल शिवपिंडी रूप प्रगट हुए एवं भगवान विष्णु द्वारा सर्वप्रथम पूजित हुए। आदि कथा के साथ उमापति महादेव के कंचन भवन निर्माण एवं प्रवेश पूजन की कथा का वर्णन करते हुए बताया कि जहाँ शिवभक्त रावण ने भवन प्रवेश पूजन करा कर दक्षिणा में वही भवन मांगा।

भगवान शिव ने उन्हें वह भवन दक्षिणा में दे दिया। जो कि महादेव के अनुपम त्याग के स्वभाव को दर्शाता हैं। बालव्यासजी ने कहा रावण ज्ञानी एवं विद्वान होते हुए भी पूजनीय नहीं था क्योंकि समाज में सदैव चरित्रवान व्यक्ति की पूजा एवं प्रतिष्ठा होती है अतः देश के चरित्रवान लोगों का ही रामराज की कल्पना करना सार्थक है। कथा में पंडित भूपेश त्रिवेदी आचार्य रमाकान्त सुरेश जांगिड कैलाश पंवार राजेश जैन आदि अनेकों भक्त प्रफुल्लित एवं भावमग्न हुए।

बिजनेस ग्रोथ सेमिनार का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन युवा संगठन के तत्वावधान में एसआरएन आदर्श कॉलेज के प्रांगण में जेवाईएस-विजीग्राइट (बिजनेस डेवलपमेंट सेमिनार) का आयोजन हुआ। महावीर स्तुति के सामूहिक मंगलाचरण कर उपस्थित सभी पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वालित कर आयोजन का शुभारंभ किया। जैन युवा संगठन के अध्यक्ष महावीर मुणोत ने सभी का स्वागत किया। मंत्री नीरज कटारिया द्वारा जैन युवा संगठन के कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। प्रशिक्षक एवं मुख्य वक्ता अनिल दूगड़ ने व्यवसाय को 10 गुना बढ़ाने की प्रभावी रणनीतियों पर प्रकाश डालते हुए स्मार्ट सेल्स, ब्रांडिंग कस्टमर एक्सप्रेशन के अनमोल टिप्स साझा किए। दूगड़ ने बताया कि व्यवसाय में नेटवर्किंग एवं कोलेबोरेशन की अहम उपयोगिता है।

कार्यशाला के चेयरमैन दीपक दक ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए। आभार ज्ञापन सहमंत्री सुश्रुत चेलावत ने किया। कार्यक्रम का संचालन पूर्व उपाध्यक्ष मुकेश बाबेल ने किया। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष मुकेश सुराणा, कोषाध्यक्ष संतोष डूंगरवाल, पूर्व अध्यक्ष महेंद्र बागरेचा, जैन युवा संगठन सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष सुरेश धोका एवं धर्मीचंद बोहरा आदि गणमान्य लोगों की विशेष उपस्थिति रही।

जीतो लेडीज विंग बेंगलूरु नॉर्थ द्वारा खुशियों का सफर कपल प्रशिक्षण शिविर

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। जीतो लेडीज विंग बेंगलूरु नॉर्थ द्वारा खुशियों का सफर : दांपत्य जीवन की छोटी-छोटी खुशियां-कपल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत नमस्कार महामंत्र से हुई, जिसके पश्चात दीप प्रज्ज्वलन किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता, नेशनल ट्रेनर एस. कमल कटारिया का परिचय सह-संयोजिका मोना कटारिया ने कराया। कमल कटारिया ने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से यह समझाया कि दांपत्य जीवन को खुशहाल और आनंदमय कैसे बनाया जाए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विवाह में प्यार के साथ-साथ विश्वास और आपसी भरोसा भी अत्यंत महत्वपूर्ण होता है।

कार्यक्रम के दौरान कोटक महिंद्रा बैंक द्वारा आगामी योजनाओं की जानकारी दी गई, जिससे भविष्य को आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाया जा सके।

जीतो लॉर्थ के अध्यक्ष विमल कटारिया ने संबोधित करते हुए बताया कि दांपत्य जीवन में सामंजस्य बनाए रखना आवश्यक है, क्योंकि सुखी दांपत्य जीवन से ही व्यक्ति हर क्षेत्र में उन्नति कर सकता है। जेएलडब्ल्यू के लेडीज़ कन्वेनर नेमिचंद ने भी इस विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इस कार्यक्रम की संयोजिका सुमन वेदमुथा और सुनील वेदमुथा ने कहा कि दांपत्य जीवन गाड़ी के दो पहियों की तरह होता है, जो विश्वास, त्याग, समर्पण और पारस्परिक प्रेम से सुचारु रूप से चलता है।

कार्यक्रम में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसका संचालन बिंदु नाहर ने किया। इस प्रतियोगिता में जज की भूमिका भाविका कोठारी और मधु कटारिया ने निभाई। प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में एपेक्स कन्वीनर बिंदु रायसोनी, सुनीता गांधी व मोनिका पिरगल की विशेष उपस्थिति रही। साथ ही, सुमन रांका, मीना बडेरा, तनुजा मेहता, मीना मेहता, अलका और संगीता, साधना, नंदा, यूथ विंग संयोजक प्रमित बाफ़ना, कार्यसमिति सदस्य सुनील लोढ़ा सहित अन्य कमेटी सदस्य भी उपस्थित थे। महामंत्री रक्षा छाजेड़ ने कार्यक्रम का संचालन व आभार ज्ञापन किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सम्मान

बेंगलूरु के मंगनहल्ली स्थित सेंट स्टीफन्स पब्लिक स्कूल द्वारा आयोजित वार्षिकोत्सव 'तरंग-2025' में मुख्य अतिथि के रूप में सामाजिक कार्यकर्ता एवं मारुति मेडिकल के प्रमुख महेंद्र मुणोत उपस्थित थे। उनका स्कूल के पदाधिकारियों ने सम्मान किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.